केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'सुलझा' हुआ ' मनुष्य' वह है, जो अपने 'निर्णय' स्वयं करता है,और उन 'निर्णयों' के 'परिणाम' के लिए किसी 'दूसरे' को 'दोष' नही देता..!

वर्ष : 16 अंक : 347 | उज्जैन, शुक्रवार 29 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेषों के मंगोलिया में प्रदर्शन से मिलेगी वैश्विक पहचान – मंत्री श्री पटेल

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आज का दिन भारत और मध्यप्रदेश के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की तरह है। यह पावन अस्थि अवशेष न केवल हमारी अमूल्य आध्यात्मिक धरोहर हैं, बल्कि वैश्विक शांति और सौहार्द के प्रतीक भी हैं। मंत्री श्री पटेल राजा भोज एयरपोर्ट पर भगवान बुद्ध के शिष्यों श्री सारिपुत्र और श्री महामोद्गलायन के पवित्र अवशेषों को राजकीय सम्मान के साथ मंगोलिया रवाना करने के कार्यक्रम के संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि भगवान बुद्ध के शिष्यों के पवित्र अवशेषों के मंगोलिया में प्रदर्शन करने से वैश्विक पहचान मिलेगी। उन्होंने रेखांकित किया कि भगवान बुद्ध के इन महान शिष्यों की पवित्र अस्थियां संपूर्ण विश्व में केवल तीन देशों–भारत, श्रीलंका एवं म्यांमार में ही संरक्षित हैं, जो हमारे प्रदेश और देश के लिए अत्यंत गौरव की बात है। इससे मंगोलिया सहित सभी देशों के बौद्ध अनुयायी प्रदेश में आने के लिए प्रेरित होंगे।

मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सांस्कृतिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जन-जन की आस्था और देश के आध्यात्मिक मूल्यों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल का स्मरण करते हुए बताया कि जब वे भारत के संस्कृति मंत्री थे, तब एक विशेष नीति बनाई गई थी कि जिस देश से एक लाख से अधिक पर्यटक भारत आएंगे, वहां उनकी स्थानीय भाषा में साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इसी नीति के तहत श्रीलंका से दो लाख से अधिक पर्यटकों के आगमन पर सांची में उनकी भाषा में साइन बोर्ड लगाए गए, जिससे श्रद्धालुओं को सांची और अन्य बौद्ध स्थलों की यात्रा के दौरान सुगमता और आत्मीयता का अनुभव होता है। उन्होंने बल देकर कहा कि सांची केवल अपने पाषाण स्तूपों के कारण विश्व धरोहर स्थल नहीं है, अपितु इन चैतन्य अस्थि अवशेषों की पावन उपस्थिति के कारण वैश्विक श्रद्धा का केंद्र है, जिसके कारण विश्व भर से पर्यटक यहाँ खिंचे चले आते हैं। पूर्व में इन अवशेषों की सफल थाईलैंड यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के साथ हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध अत्यंत प्राचीन और प्रगाढ़ हैं, और यह यात्रा इन संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

सांची आध्यात्मिक वैभव का अनुपम खजाना – पूज्य बानगल उपतिस्स नायक थेरी

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित बौद्ध धर्मगुरु बड़े गुरु श्री पूज्य बानगल उपतिस्स नायक थेरी ने सांची की महत्ता को बताते हुए कहा कि सांची केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि आध्यात्मिक वैभव का एक अनमोल खजाना है। बौद्ध जगत में इस स्थान की महिमा अतुलनीय है। उन्होंने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि जब ये पवित्र अस्थि अवशेष पूर्व में थाईलैंड प्रवास पर गए थे, तब वहां लगभग 5.5 मिलियन (55 लाख) से अधिक श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धाभाव से इनकी पूजा-अर्चना की थी। उन्होंने कहा कि बौद्ध परंपरा में इन अवशेषों (रेलिक्स) का स्थान सर्वोपरि है और उन्हें सांची जैसी पवित्र धरा का कस्टोडियन (संरक्षक) बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जो उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि भगवान बुद्ध की यह विरासत विश्व बंधुत्व की एक अमूल्य निधि है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र %विकास भी, विरासत भी% का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशासन इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय और आध्यात्मिक प्रकल्प संपूर्ण विश्व को यह दिग्दर्शित करते हैं कि भारत आदि काल से विश्वगुरु रहा है और अपनी इसी सांस्कृतिक संपन्नता के कारण सदैव विश्वगुरु के पद पर सुशोभित रहेगा।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने अपनी व्यक्तिगत अनुभूतियों को साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ है, जो स्वयं भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल और उनसे जुड़े अत्यंत पवित्र क्षेत्रों से घिरा हुआ है। ऐसे में भोपाल की धरती पर इस पावन विदाई समारोह का साक्षी बनना उनके लिए परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस गरिमामयी आयोजन के माध्यम से मध्यप्रदेश की पहचान मध्य एशिया के देश मंगोलिया तक सुदृढ़ रूप से पहुंचेगी। भविष्य में भी इस प्रकार के सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कार्यक्रम अन्य देशों के साथ आयोजित किए जाएंगे, जो हमारे प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण हैं क्योंकि मध्यप्रदेश ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध प्रदेश है। इस गरिमामयी प्रस्थान समारोह में छोटे गुरु श्री पूज्य बानगल विमल तिस्स थेरी, इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फेडरेशन (आईबीसी) के संचालक कर्नल श्री यश सक्सेना, संस्कृति विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी श्री राजेश कुमार गुप्ता सहित अनेक प्रबुद्ध जन और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

यूपी के लिए अमित शाह बना रहे 5 फैक्टर वाला प्लान, चार महीने में ही हो जाएगा खेला

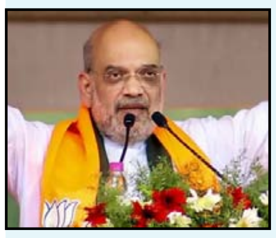

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक जीत के बाद अमित शाह अब उत्तरप्रदेश को साधने की तैयारी में जुट गए हैं। इस सिलसिले में जून से ही उनका उत्तरप्रदेश का दौरा शुरू हो सकता है। जून से सितंबर तक पूरे उत्तरप्रदेश का दौरा कर शाह प्रदेश की राजनीति नब्ज को टटोलने की कोशिश करेंगे ताकि उसके आधार पर चुनावी रणनीति तैयार की जा सके। उत्तरप्रदेश में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होना है। वैसे अभी तक अमित शाह के उत्तरप्रदेश दौरे का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। लेकिन उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार जून में उनका दो क्षेत्रों में दौरे का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। सबसे पहले वे बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वे स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से स्थानीय मुद्दों और सामाजिक समीकरणों पर चर्चा के साथ ही जिला से लेकर बूथ स्तर तक संगठन की स्थिति की भी समीक्षा करेंगे। इसके बाद जुलाई, अगस्त और सितंबर में बाकी चार क्षेत्रों का भी इसी तरह से दौरा करने की तैयारी है। भाजपा ने सांगठनिक दृष्टि से उत्तरप्रदेश को पश्चिमी उत्तरप्रदेश, काशी, बुंदेलखंड, ब्रज, अवध और गोरखपुर में बांट रखा है। सभी क्षेत्रों का दौरा पूरा करने के बाद अक्टूबर से बूथ स्तर पर भाजपा को बढ़त दिलाने की रणनीति पर काम शुरू होगा। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई भारी कमी को देखते हुए उत्तर प्रदेश विधानचुनाव को आसान नहीं माना जा रहा है।

एल-नीनो के खतरे के बीच कैसे बचेगी खरीफ की फसल?

नई दिल्ली/ जीएनएस। बदलते मौसम और अलनीनो के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने खरीफ फसलों को लेकर तैयारी तेज कर दी है। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन में मौसम से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक और व्यावहारिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्र सरकार का साफ संदेश है कि मौसम की अनिश्चितता से घबराने के बजाय पहले से तैयारी करनी होगी, ताकि किसानों और फसलों के उत्पादन पर असर कम से कम पड़े। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को सम्मेलन की शुरुआत करते हुए कहा कि जिन जिलों में अलनीनो का असर पड़ने की आशंका है, वहां वैकल्पिक फसलों की पहचान, बीज उपलब्धता और फसल परिवर्तन की अग्रिम योजना तैयार की जा रही है। जरूरत पड़ने पर कम पानी वाली और कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। खरीफ सीजन में राज्यों को समय पर बीज और तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। सम्मेलन में केंद्र व राज्यों के कृषि मंत्री, आईसीएआर के वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, एफपीओ प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस दौरान खरीफ फसलों की रणनीति, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक खेती, डिजिटल कृषि, बीज गुणवत्ता और किसानों की आय बढ़ाने जैसे मुद्दों पर व्यापक मंथन हुआ। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन को कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती माना गया। विशेषज्ञों ने कहा कि लगातार बढ़ती गर्मी, अनियमित बारिश और लंबे सूखे अंतराल खेती की परिस्थितियों को तेजी से बदल रहे हैं। इसी वजह से प्राकृतिक खेती, स्वाइल हेल्थ कार्ड और उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर विशेष फोकस किया गया। कई जिलों में जरूरत से अधिक उर्वरक उपयोग को चिंता का विषय बताया गया। छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर भी जोर दिया गया। सरकार का मानना है कि कम जमीन वाले किसान खेती के साथ पशुपालन, बागवानी और दूसरी गतिविधियों को जोड़कर अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए दो और होल्डिंग सेंटर तैयार, बंगाल में अब न कोर्ट न जेल, सीधे पुशबैक की तैयारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल की नई भाजपा सरकार ने राज्य के विभिन्न जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने और उन्हें शीघ्र वापस भेजने के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने की तैयारी तेज कर दी है।

इन जिलों में बनाए गए हैं होल्डिंग सेंटर- उत्तर बंगाल में मालदा के बाद जलपाईगुड़ी जिले में दो होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जबकि कूचबिहार जिले में तीन होल्डिंग सेंटर तैयार किए जा रहे हैं। अब बांग्लादेश से भारत में घुसने वाले लोगों को सीधे जेल नहीं भेजा जाएगा। उन्हें होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा फिर बीएसएफ के हवाले कर दिया जाएगा। उसके बाद बीएसएफ, बांग्लादेश बार्डर गार्ड्स (बीजीबी) के साथ समन्वय कर उन्हें पुशबैक की प्रक्रिया पूरी करेगा।

जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन द्वारा चिह्नित किए गए दोनों होल्डिंग सेंटर सीमा क्षेत्र के काफी निकट हैं। जलपाईगुड़ी के जिलाधिकारी संदीप कुमार घोष ने कहा है कि सरकार की नई निर्देशिका के अनुसार ही होल्डिंग सेंटर बनाए जा रहे हैं।

जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा की लंबाई करीब 45 किलोमीटर है- सभी प्रक्रियाएं कानून के दायरे में रखते हुए पूरी की जाएंगी। जलपाईगुड़ी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा की लंबाई करीब 45 किलोमीटर है। पहले वापस भेजना काफी मुश्किलखुली सीमा का फायदा उठाकर बांग्लादेशी नागरिक अक्सर भारत में घुसपैठ करते हैं। पहले उन्हें पकड़कर अदालत में पेश किया जाता था, फिर जलपाईगुड़ी केंद्रीय जेल में भेज दिया जाता था। सजा पूरी होने के बाद उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने में बड़ी मुश्किलें आती थीं। क्योंकि उनके पास बांग्लादेशी दस्तावेज नहीं होते थे, इसलिए बांग्लादेश सरकार उन्हें अपने नागरिक के रूप में स्वीकार नहीं करती थी। जिसके कारण वह जेल से छूटने के बाद भी वर्षों तक भारत में फंस जाते थे।

ट्रामा केयर का अधिकार, जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों का ट्रामा केयर का अधिकार, जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। इसके लिए कोर्ट ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे तीन महीने के भीतर आपात कार्रवाइयों के लिए एक ही हेल्पलाइन नंबर 112 चालू करें और मददगारों के लिए एक शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करें। राज्यों को यह भी निर्देश दिया कि वे मासिक बैठकें आयोजित करके और संबंधित पोर्टलों पर बैठकों का विवरण अपलोड करके समय-समय पर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की पीठ ने मंगलवार को %सेवलाइफ फाउंडेशन% की याचिका पर यह आदेश पारित किया। इस याचिका में भारतीय विधि प्रणाली में ट्रामा केयर को एक अधिकार के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब कोई व्यक्ति दुर्घटना या ट्रामा केयर की जरूरत वाली किसी अन्य घटना का शिकार होता है।

चीन-पाकिस्तान पर नजर, भारतीय सेना पुराने T-72 टैंकों को देगी नई ताकत

नई दिल्ली/ जीएनएस। चीन और पाकिस्तान से बढ़ती चुनौतियों के बीच भारतीय सेना अपने पुराने ञ-72 टैंकों को आधुनिक बनाने की बड़ी योजना पर काम कर रही है। सेना का लक्ष्य इन टैंकों को आधुनिक युद्धक्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है, ताकि उनकी सेवा अवधि 2030 के बाद भी बढ़ाई जा सके।

भारतीय सेना ने पहली बार 1978 में ञ-72 टैंकों को शामिल किया था। उस समय इन्हें दुनिया के सबसे आधुनिक बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों में गिना जाता था। इनमें 125 मिमी की शक्तिशाली तोप, उन्नत फायर कंट्रोल सिस्टम, कम ऊंचाई वाला डिजाइन और बेहतर पावर-टू-वेट अनुपात जैसी खूबियां थीं। इससे भारतीय सेना को अपने विरोधियों पर स्पष्ट बढ़त मिली थी।

मैं जिम्मेदारी लेता हूं से गुनाहों से नहीं बच पाएंगे तक... CBSE मामले पर धर्मेंद्र प्रधान और राहुल गांधी आमने-सामने

नई दिल्ली/ जीएनएस। सीबीएसई की मूल्यांकन प्रक्रिया पर छात्रों की ओर से खड़े किए जा रहे सवालों के बीच इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को जहां यह कहा कि जो अव्यवस्था हुई उसके लिए वह सरकार की ओर से जिम्मेदारी लेते हैं।

वहीं राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए उन्हें हताश व तकनीकी विकास के खिलाफ बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनके आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि वह चाहे तो मुझ पर कितना भी हमला कर लें, लेकिन इससे अपने गुनाहों से वह बच नहीं पाएंगे। वहीं ओएसएम करने वाली कंपनी से साथ संबंधों पर फिर सवाल किए। इससे पहले राहुल गांधी के आरोपों पर सीबीएसई ने जवाब देते हुए उनके आरोपों को गलत और तथ्यहीन बताया था। साथ ही बताया था कि ओएसएम (आन स्क्रीन मार्किंग) प्रक्रिया के लिए कंपनी का चयन तय नियम व वित्तीय प्रक्रियाओं के तहत हुआ था। हालांकि राहुल गांधी ने सीबीएसई इस जवाब को खारिज करते हुए कहा था कि जो उन्होंने पूछा था, उसका जवाब नहीं दिया गया।

इजरायल का आठवें मोर्चे पर नया दांवः भारत-अमेरिका संग वैश्विक गठबंधन की पहल, चीन-पाक को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली/ जीएनएस। इजरायल दुनियाभर में लोकतांत्रिक मूल्यों, खुली समाज व्यवस्था और आधुनिक संस्कृति के विरुद्ध चल रहे गुप्त और छद्म हमलों को एक बड़ी वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है। गलत सूचनाओं के प्रचार, इंटरनेट मीडिया पर फैलाए जा रहे झूठे नैरेटिव और हाइब्रिड युद्ध की रणनीतियों के जरिये लोकतांत्रिक देशों की एकता तोड़ने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

इजरायल का स्पष्ट मत है कि इस जटिल लड़ाई को वह अकेले नहीं लड़ सकता। इसलिए उसने भारत, अमेरिका और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर एक समर्पित संगठन बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह जानकारी इजरायल सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल में इजरायल आए भारतीय पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल के सामने रखी। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित संगठन मुख्य रूप से सूचना क्षेत्र में युद्ध, साइबर सुरक्षा और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हालिया कई बयानों में आठवें मोर्चे की चर्चा की है। उन्होंने इसे सूचना युद्ध और विश्व स्तर पर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का मोर्चा बताया है।

उनके अनुसार, इजरायल पहले से ही गाजा, लेबनान, ईरान, यमन समेत सात पारंपरिक मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर फैलाई जा रही झूठी खबरें, बाट अकाउंट्स और व्यवस्थित दुष्प्रचार आठवां मोर्चा बन गया है। यह मोर्चा अमेरिका और यूरोप जैसे सहयोगी देशों में इजरायल के प्रति समर्थन को कमजोर कर रहा है।

कई ऐसी पोस्ट, जो आम नागरिकों की तरफ से लगती हैं, दरअसल पाकिस्तानी या अन्य विरोधी नेटवर्क्स से संचालित होती हैं। नेतन्याहू का साफ कहना था, हम सात मोर्चों पर लड़ सकते हैं, लेकिन यह आठवां मोर्चा हमें बहुत नुकसान पहुंचा रहा है।

पश्चिमी हस्तक्षेप का नाम नहीं- इजरायल अब इस चुनौती से निपटने के लिए एआइ आधारित फैक्ट चेकिंग टूल्स, उन्नत साइबर सुरक्षा व्यवस्थाएं मजबूत कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहा है। हाल में इजरायली टीमों ने कई ऐसे अभियानों का पता लगाया है जिनमें संघर्ष को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों को पश्चिमी हस्तक्षेप का नाम दिया जा रहा है।

भारत का स्पेस में कमालः लैंडर क्रैश होने के बावजूद चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने चांद में खोज ली बर्फ

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत के चंद्रयान-2 मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों ने चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सतह के नीचे बर्फ होने के मजबूत संकेत खोजे हैं। यह खोज भविष्य में चांद पर मानव मिशनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यह अध्ययन एनपीजे स्पेस एक्सप्लोरेशन जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

अहमदाबाद स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले रडार डाटा का अध्ययन किया। चंद्रयान-2 साल 2019 से चांद की परिक्रमा कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, बर्फ चांद की सतह पर नहीं बल्कि जमीन के नीचे छिपी हुई है। यह बर्फ ऐसे क्रेटरों में मौजूद हो सकती है जहां सूरज की रोशनी कभी नहीं पहुंचती। कुछ छोटे क्रेटर बड़े क्रेटरों के अंदर मौजूद हैं और दोनों ही हमेशा अंधेरे में रहते हैं। इन्हें डबल शैडोड क्षेत्र कहा जाता है। यहां तापमान करीब माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक रहता है, जिससे बर्फ अरबों वर्षों तक सुरक्षित रह सकती है।

चंद्रयान-2 में लगा ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक एपर्चर रडार चांद की सतह पर माइक्रोवेव सिग्नल भेजता है और उनके वापस लौटने के तरीके का अध्ययन करता है। बर्फ इन सिग्नलों को पत्थर और धूल से अलग तरीके से परावर्तित करती है। इसरो के अनुसार, वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के चार ऐसे क्रेटरों में रडार संकेत पाए हैं जो जमीन के नीचे बर्फ की मौजूदगी की ओर इशारा करते हैं। कुल नौ क्रेटरों का अध्ययन किया गया था।

गुलाब बाग फायरिंग हत्याकांड का खुलासा, बदला लेने के लिए की गई थी अभि तोमर की हत्या

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना लसूडिया ने गुलाब बाग पेट्रोल पंप के सामने हुई सनसनीखेज फायरिंग और हत्याकांड का खुलासा करते हुए दो मुख्य आरोपियों सहित उन्हें संरक्षण देने वाले तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी गुलशन यादव ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए साथियों के साथ मिलकर अभितेंद्र उर्फ अभि तोमर की हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस के अनुसार 21 मई 2026 की रात शिकायतकर्ता अमन राजावत अपने दोस्तों के साथ स्कीम नंबर-114 स्थित गुलाब बाग पेट्रोल पंप के पास खड़ा था। इसी दौरान उसका दोस्त अभितेंद्र उर्फ अभि तोमर भी वहां पहुंचा और बातचीत करने लगा। तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे आरोपियों ने अभि तोमर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में अमन राजावत भी घायल हुआ था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेंद्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्री पराग सैनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लसूडिया के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर पीयूष गुर्जर और सत्ते उर्फ सत्यवीर जाटव को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार कर लिया।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गुलशन यादव अपने भाई विष्णु यादव की हत्या का बदला लेना चाहता था। इसी के चलते गुलशन यादव, डीलू उर्फ चंद्रकांत लहरिया, गौरव जाटव, पीयूष गुर्जर और सत्यवीर मौर्य ने बॉम्बे हॉस्पिटल के पास स्थित एक होटल में ठहरकर हत्या की साजिश बनाई थी। इसके बाद सभी आरोपी अभि तोमर की तलाश करते हुए गुलाब बाग पेट्रोल पंप पहुंचे और वहां उसे घेरकर डीलू उर्फ चंद्रकांत लहरिया ने 315 बोर राइफल से फायरिंग कर हत्या कर दी।

घटना के बाद आरोपी अलग-अलग होकर फरार हो गए थे। बाद में सभी आरोपी भंवरकुआं क्षेत्र में अपने साथी संजू उर्फ गौरव मौर्य के घर पर मिले और रात बिताने के बाद अलग-अलग स्थानों पर छिप गए।

पुलिस ने आरोपियों को संरक्षण देने के आरोप में संजू उर्फ गौरव मौर्य, भानु गुर्जर और नरेश चौरसिया को भी गिरफ्तार किया है।

फिलहाल मुख्य आरोपी गुलशन यादव, डीलू उर्फ चंद्रकांत लहरिया और गौरव जाटव फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर मामले में विस्तृत पूछताछ कर रही है।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान, नियम तोड़ने वाली 685 बसों पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस द्वारा ÷लोक परिवहन बसों का विशेष चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान÷ लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 21 मई से 27 मई 2026 तक संचालित इस अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाली 685 बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शहर के चारों यातायात जोनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यात्री बसों के दस्तावेजों के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जांच की गई।

जांच के दौरान कई बसों में फायर सेफ्टी उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स और इमरजेंसी एग्जिट जैसी आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं नहीं पाई गईं। इसके अलावा अनाधिकृत स्थानों से सवारी चढ़ाने-उतारने, बिना वैध लाइसेंस वाहन संचालन, अवैध मॉडिफिकेशन तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने जैसी कमियां मिलने पर संबंधित बस संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा बसों के आरसी, परमिट, फिटनेस, बीमा, चालक लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। इस दौरान बस चालकों और संचालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, ओवरलोडिंग से बचने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की समझाइश भी दी गई।

ट्रैफिक हेल्पलाइन पर आई 2913 शिकायतें, 2896 का हुआ त्वरित समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंदौर ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस कमिश्नर इंदौर के निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा जारी व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 नागरिकों के लिए प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण कर यातायात समस्याओं को तेजी से दूर किया जा रहा है। यातायात पुलिस के अनुसार हेल्पलाइन शुरू होने से अब तक कुल 2913 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 2896 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। शेष 17 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। वहीं बुधवार को प्राप्त 12 शिकायतों में से 11 का तुरंत निराकरण किया गया। ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्राप्त शिकायतों को ट्रैफिक वायरलेस कंट्रोल और वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर संबंधित यातायात बिट, थाना क्षेत्र की पेट्रोलिंग टीम तथा व्हील लॉक टीम को तत्काल सूचना दी जाती है, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान किया जाता है। जिन शिकायतों का संबंध अन्य विभागों से होता है, उन्हें सत्यापन के बाद संबंधित विभाग को भेजा जाता है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि शहर में बेहतर और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर सूचना दें।

गुलमोहर कॉम्प्लेक्स में विस्थापितों को बसाने के विरोध में उतरे रहवासी, उग्र आंदोलन की चेतावनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा गुलमोहर कॉम्प्लेक्स में विस्थापित परिवारों को बसाने की योजना का स्थानीय रहवासियों ने विरोध शुरू कर दिया है। रहवासी संघ के अध्यक्ष रौनक राय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रहवासियों ने सोमवार और मंगलवार को आईडीए कार्यालय तथा जनसुनवाई में पहुंचकर सीईओ परिक्षित झाडे और संभागायुक्त सुदामा खाडे को ज्ञापन सौंपा। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन, भूख हड़ताल और पुतला दहन जैसे उग्र प्रदर्शन करेंगे।

रहवासियों का कहना है कि गुलमोहर कॉम्प्लेक्स एलआईजी श्रेणी की आवासीय योजना है, जहां कुल 334 फ्लैट्स में से केवल 90 फ्लैट खाली हैं। प्रत्येक फ्लैट का आकार लगभग 667 वर्ग फीट है, जबकि विस्थापित परिवारों की संख्या 200 से अधिक बताई जा रही है। ऐसे में सभी परिवारों को यहां समायोजित करना संभव नहीं है और इससे भविष्य में कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है।

रहवासी संघ ने प्रशासन को सुझाव दिया है कि पास स्थित अमलतास कॉम्प्लेक्स में करीब 450 नए और खाली फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनका आकार लगभग 550 वर्ग फीट है। उनका कहना है कि पुनर्वास के लिए यह स्थान अधिक उपयुक्त रहेगा। रहवासियों के अनुसार आईडीए सीईओ ने इस सुझाव पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

स्थानीय लोगों ने कॉम्प्लेक्स में बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाया। उनका आरोप है कि यहां पहले से ही पानी की समस्या बनी हुई है और लिफ्ट व्यवस्था भी अक्सर बंद रहती है। रहवासियों का कहना है कि प्राधिकरण न बिकने वाले फ्लैट्स को विस्थापितों को देकर जिम्मेदारी से बचना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि विस्थापित परिवारों से हर महीने 1500 से 2000 रुपये तक का मेंटेनेंस शुल्क लिया जाएगा, लेकिन पानी और अन्य सुविधाओं को लेकर कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए एमआर-11 और एमआर-12 रोड निर्माण कार्यों के कारण विस्थापन की स्थिति बनी है। इस मामले में राजनीतिक दबाव की भी चर्चा है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर यह आशंका जताई जा रही है कि अब तक विस्थापितों को केवल ईडब्ल्यूएस श्रेणी के मकान दिए जाते रहे हैं। यदि एलआईजी श्रेणी के फ्लैट विस्थापितों को दिए जाते हैं तो यह नई परंपरा भविष्य में अन्य परियोजनाओं में भी बड़ी मांग का कारण बन सकती है।

चोइथराम मंडी में चाकूबाजी, चार कर्मचारी घायल, शराब के लिए रुपए मांगने पर हुआ विवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के चोइथराम मंडी क्षेत्र में बुधवार देर रात चाकूबाजी की घटना से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने मंडी में काम करने वाले चार कर्मचारियों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे चारों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार घायल अरुण, सुनील, रंजीत और सूरज फ्रूट मंडी की दुकान नंबर-1 पर काम करते हैं। देर रात मंडी में फलों की गाड़ियां खाली कराने के बाद सभी कर्मचारी अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मंडी गेट के पास स्थित निगम के सार्वजनिक शौचालय के समीप अंधेरे में बैठे तीन से अधिक बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे। बताया जा रहा है कि जब सुनील ने रुपए देने से इंकार किया तो आरोपियों ने चाकू निकाल लिए और उस पर हमला कर दिया। साथी कर्मचारियों ने बचाने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उन पर भी हमला कर दिया। घटना में चारों कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही राजेंद्र नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अपने आप मोबाइल अपडेट होने लगा और गायब हो गए डेढ़ लाख रुपये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यहां हाईटेक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल अपने आप अपडेट पर चला गया और स्विच ऑफ हो गया। जब फोन चालू हुआ तो उसका सारा डेटा डिलिट हो गया था और उसके खाते में से 1 लाख 48 हजार रुपये निकाल लिए गए थे। मामले में लसूड़िया पुलिस ने सिंगापुर टाउनशिप (तलावलीचांदा) निवासी जितेंद्र त्रिपाठी की शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। ठग ने जितेंद्र के खाते से 1 लाख 48 हजार रुपये निकाल लिए। जितेंद्र त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि 24 मई को शाम करीब 5 बजे मोबाइल अपने आप अपडेट चला गया और स्विच ऑफ हो गया। करीब एक घंटे बाद फोन चालू हुआ तो देखा पूरा डेटा डिलिट हो गया है। कान्ट्रैक्ट नंबर से लेकर फोटो गैलरी भी नहीं है। ठग ने कई बार ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर खाते से 1 लाख 48 हजार रुपये निकाल लिए थे। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

फेसबुक पर दोस्ती कर जिम ट्रेनर ने युवती से लाखों ठगे- इंदौर। निजी कंपनी की कर्मचारी आनलाइन फ्राड की शिकार हो गई। फेसबुक फ्रेंड ने उससे दो लाख रुपये ठग लिए। रुपये मांगने पर उसने निजी फोटो बहुप्रसारित करने की धमकी दे दी। मल्हारगंज पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार लक्ष्मीपुरी कालोनी निवासी पीड़िता से आरोपित की फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। आरोपित ने प्रथम खन्ना नाम बताया और कहा वह जिम ट्रेनर है।दोनों की फोन और वाट्सएप पर चैटिंग होती थी। आरोपित ने जरुरत के लिए कई बार रुपये लिए थे। इस कारण पीड़िता ने भरोसा कर लिया। पीड़िता आरोपित से निजी फोटो भी साझा कर चुकी थी। आरोपित ने दो लाख रुपये लेने के बाद पीड़िता से बात बंद कर दी। बाद में पता चला आरोपित ने दूसरे के फोटो से फर्जी आईडी बनाई है।

कनाडिया बायपास क्षेत्र टीपीएस-4-5 और एन.एच.ए.आई. की निर्माणाधीन सडकों का निर्माण शीघ्र करें-मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज इन्दौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री परीक्षित झाडे और प्रोजेक्ट डायरेक्टर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण श्री प्रदीप यादव के साथ सांवेर विधानसभा के कनाडिया और बायपास में निर्मित हो रही टी.पी.एस. 4 और 5 की सडकों एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्मित की जा रही 17 किलोमीटर सड़क का निरीक्षण किया और वर्तमान कार्य प्रगति और उक्त योजनाओं के संबंध में भविष्य में होने वाले विकास कार्यों की समीक्षा की।

मंत्री श्री सिलावट ने इस संबंध में बताया कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत विकास प्राधिकरण की नगर विकास योजना क्रमांक 4 और 5 में सड़क निर्माण सहित अन्य विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं, जिनका अवलोकन कर उन्हें शीघ्र समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिलावट ने कनाडिया अहिल्या बावडी के पास में गार्डन का निर्माण करने एवं योजनान्तर्गत सड़क निर्माण में आ रहे अवरुद्ध एवं अतिक्रमणों को बारिश के पूर्व हटाकर शीघ्र निर्माण करने के निर्देश दिये।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि कनाडिया क्षेत्र में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा इन्दौर से राधवगढ सडक का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें सांवेर विधानसभा की 17 किलोमीटर सड़क भी शामिल है। इन सडकों का निर्माण हो जाने से सांवेर के ग्राम कनाडिया, बेगमखेडी, खेमाना, आक्या, सेमलियाचाउ, सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामों के सैकडों लोगों का लाभ होगा। मंत्री श्री सिलावट ने इन सडकों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर लोकार्पण करने एवं दोनों मुख्य मार्गों एवं 6 पुल-पुलियाओं पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर इंजीनियर श्री रोहित मालवीय,जनपद पंचायत इन्दौर के अध्यक्ष श्री विश्वजीतसिंह सिसौदिया और मंडल अध्यक्ष श्री विपीन जागीरदार भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बोले- गेहूं खरीदी और जल संरक्षण में मध्य प्रदेश ने बनाया नया रिकॉर्ड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को इंदौर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को लेकर मीडिया से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार मध्य प्रदेश ने किसानों से सर्वाधिक गेहूं खरीदी कर देश में नया रिकॉर्ड बनाया है। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से प्रदेश जल संरक्षण के क्षेत्र में भी देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। इंदौर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के मितव्ययिता संदेश का पालन करते हुए लोकल वाहन से उज्जैन रवाना होकर सादगी का संदेश भी दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने इस बार गेहूं खरीदी नीति में बदलाव करते हुए लघु और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि 13 लाख 46 हजार से अधिक किसानों से रिकॉर्ड स्तर पर गेहूं उपार्जन किया गया और राज्य ने अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आने वाले समय में किसानों के लिए बिजली सहित कई नई सौगातें देने जा रही है।

डॉ. यादव ने जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से दो लाख से ज्यादा जल संरचनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इनमें कुएं, बावड़ियां, तालाब, नहरें, नदी उद्गम स्थल और नए अमृत सरोवर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयासों के चलते मध्य प्रदेश देश में जल संरक्षण कार्यों में पहले स्थान पर पहुंचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्यधिक जल दोहन के कारण भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, इसलिए जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। मालवा क्षेत्र की पहचान 'डग-डग नीर' रही है, लेकिन अब यहां भी जल संकट की स्थिति बन रही है, जिसे सरकार गंभीरता से लेकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि गंगा दशमी के अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों में 8 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं और जलदूतों ने भाग लिया।

इंदौर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री सांवेर क्षेत्र में एक बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस दौरान मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी सहित भाजपा के कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

31 मई को बड़वानी में निकलेगी जिला स्तरीय जनजागरण यात्रा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले में व्यसन से बचो, सृजन में लगाओ अभियान के तहत 24 मई 2026 से व्यसन मुक्ति सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान बड़वानी कलेक्टर जयंती सिंह के निर्देशन में अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग बड़वानी के संयुक्त तत्वावधान में संचालित हो रहा है। युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक श्री लखन विश्वकर्मा एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक श्री रौनक सोलंकी ने बताया कि सप्ताहभर जिले की विभिन्न तहसीलों में जनजागरण, संपर्क अभियान, संकल्प सभाएँ, मानव श्रृंखला, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताएँ, नुक्कड़ नाटक तथा व्यसन मुक्ति से जुड़े रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को नशामुक्त, स्वस्थ एवं संस्कारवान बनाना है। इसके अंतर्गत गायत्री परिवार के कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राएं घर-घर संपर्क कर लोगों को तंबाकू, शराब एवं अन्य नशों के दुष्परिणामों से अवगत करा रहे हैं तथा व्यसन त्यागने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अभियान का समापन 31 मई विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय जन जागरण यात्रा के रूप में होगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने नगर निगम आयुक्त सिंघल के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण कार्यों का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री वर्मा ने दिए गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में तालाबों के गहरीकरण तथा पर्याप्त जल पहुंच सुनिश्चित करने हेतु चैनल सफाई एवं जल संरक्षण के कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं आयुक्त नगर निगम श्री क्षितिज सिंघल द्वारा विभिन्न स्थलों पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा बिलावली तालाब में गहरीकरण कार्य, मोरोद-माचला चैनल सफाई कार्य, राऊ-बिलावली चैनल सफाई एवं पिचिंग कार्य तथा रालामंडल-बिलावली चैनल सफाई कार्य का जायजा लिया गया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि चैनलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो तथा जहां अतिक्रमण पाया जाए वहां त्वरित रिमूवल की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही तालाबों के गहरीकरण एवं जल संरक्षण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन के ये कार्य भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अभियान के माध्यम से जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर आमजन को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बिलावली तालाब के गहरीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। बताया गया कि अब तक लगभग 32 हजार घनमीटर डिसिल्टिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा कार्य निरंतर जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचीन अहिल्या कुंड के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर जल संरक्षण के प्रति जनजागरण का संदेश दिया।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदिवे, श्री श्रवण सिंह चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। साथ ही पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, आईजी श्री अनुराग, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, डीआईजी श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री राजेंद्र वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी और सभी से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जल बचा कर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संबोधन में संत कबीरदास एवं संत रहीम के दोहों का उल्लेख करते हुए जल की महत्ता को सरल एवं प्रेरणादायी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, संवेदना और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। उन्होंने ग्रामीणों से वर्षा जल संरक्षण, तालाबों और कुंडों के संरक्षण तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जल संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जनसहभागिता से ही जल संरक्षण के प्रयास सफल होंगे और आने वाले समय में प्रदेश जल समृद्धि की दिशा में नई पहचान बनाएगा।

अवैध कॉलोनी का हवाला देकर रजिस्ट्री पर नहीं लगाई जा सकेगी रोक, कोर्ट या सक्षम अधिकारी के आदेश जरूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा जमीन की रजिस्ट्री (पंजीयन) को लेकर बड़ा आदेश जारी किया गया है। अब अवैध कॉलोनी या अन्य कोई कारण बताकर रजिस्ट्री पर रोक नहीं लगाई जा सकेगी। पहले से लगी सभी रोक भी अब लागू नहीं होगी।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी जमीन पर रोक लगानी है, तो उसके लिए सक्षम न्यायालय या अधिकृत प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट न्यायिक या अर्द्धन्यायिक आदेश होना जरूरी है। केवल प्रशासनिक पत्राचार या सामान्य निर्देशों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री नहीं रोकी जा सकती।

दरअसल जिला प्रशासन और स्थानीय प्राधिकरण अवैध कालोनियों का हवाला देकर जमीनों की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री पर रोक लगा देते थे, जबकि बिना सक्षम कानूनी आदेश के ऐसा करना पूरी तरह गलत है। प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर विभाग अमित राठौर ने इस मामले में आदेश किए है।

इसमें कहा गया है कि कई मामलों में अधिकारियों ने सीधे रजिस्ट्री रोक दी, कहीं पंजीयन अधिकारियों को पत्र भेजकर दबाव बनाया गया और कहीं जमीन की रजिस्ट्री से पहले अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) या विशेष अनुमति लेने की शर्त लगा दी गई।

रजिस्ट्रार कार्यालय से कॉलोनी की वैधता जांचने की अपेक्षा की गई- कुछ जगहों पर रजिस्ट्रार कार्यालय से कॉलोनी की वैधता जांचने की अपेक्षा की गई, जबकि यह उसका अधिकार क्षेत्र नहीं है।

पंजीयन अधिकारी का काम सिर्फ दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति की पहचान, दस्तावेज पर हस्ताक्षर की पुष्टि और जरूरी कागजों की जांच तक सीमित है। वरिष्ठ वकील प्रमोद द्विवेदी का कहना है कि इस मामले में मय दस्तावेजों के वाणिज्यिक कर विभाग को शिकायत की गई थी, क्योंकि पंजीयन अधिनियम में रजिस्ट्री रोकना वैध नहीं है। शहर में कई स्थानों पर रजिस्ट्री रोकी जा रही थी।

अवैध कॉलोनी पर अलग कानूनों में कार्रवाई- सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि रजिस्ट्री किसी संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम प्रमाण नहीं होती, बल्कि यह केवल लेन-देन का सार्वजनिक रिकार्ड है। अवैध कालोनियों के खिलाफ कार्रवाई अलग कानूनों के तहत की जा सकती है, लेकिन उसके नाम पर लोगों की रजिस्ट्री रोकना उचित नहीं है। शासन ने ऐसे सभी अवैध और प्रभावशील प्रतिबंध तत्काल समाप्त करने के निर्देश दिए हैं।

मंदसौर में जीआईटीओ चैप्टर का गठन, समाज सेवा और व्यापारिक सहयोग को मिलेगा नया आयाम

अंकित कीमती चेयरमैन, सीए विकास भंडारी सचिव व मयूर सुराना कोषाध्यक्ष नियुक्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन जीआईटीओ मंदसौर चैप्टर की कार्यकारिणी की घोषणा उत्साहपूर्वक की गई। संगठन द्वारा समाज सेवा, व्यापारिक सहयोग, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता विकास एवं सामाजिक एकता के उद्देश्यों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नई टीम का गठन किया गया है।

घोषित कार्यकारिणी में अंकित कीमती को चेयरमैन, सीए विकास भंडारी को चीफ सेक्रेटरी एवं मयूर सुराना को ट्रेजरर नियुक्त किया गया है। वहीं पिंकेश चोरड़िया एवं वैभव दुग्गड़ को वाइस चेयरमैन तथा हर्षित सोनगरा एवं श्री मनीष बोहरा को जॉइंट सेक्रेटरी का दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए समाजहित, संगठन विस्तार, व्यापारिक नेटवर्किंग और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जीआईटीओ मंदसौर चैप्टर समाज के युवाओं, विद्यार्थियों, व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को एक मजबूत मंच प्रदान करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करेगा। जीआईटीओ एक वैश्विक जैन संगठन है, जो उद्योगपतियों, व्यवसायियों एवं प्रोफेशनल्स को एक मंच पर जोड़कर समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य कर रहा है। संगठन का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक सशक्तिकरण, ज्ञान संवर्धन, सेवा कार्यों, शिक्षा सहायता और उद्यमिता विकास के माध्यम से समाज को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाना है। वर्तमान में जीआईटीओ के भारत में 9 ज़ोन एवं 75 चैप्टर्स कार्यरत हैं, जबकि 32 अंतरराष्ट्रीय लोकेशन्स पर इसकी सक्रिय उपस्थिति है। संगठन से लगभग 20,000 सदस्य जुड़े हुए हैं । जीआईटीओ अपने विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से शिक्षा, रोजगार, स्टार्टअप, हेल्थकेयर, प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी, युवा विकास एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। साथ ही जैन समाज के साधु संतों के उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए श्रवण आरोग्यं सेवाएं प्रदान करना। जीआईटीओ के प्रमुख प्रकल्पों में जीतो इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन, जीतो बिज़नेस नेटवर्क, जीतो एजुकेशन असिस्टेंस प्रोग्राम, जीतो एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग फाउंडेशन, जीतो युवा विंग एवं जीतो महिला विंग शामिल हैं। इन प्रकल्पों के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता, प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग, ब्याज मुक्त ऋण, करियर मार्गदर्शन और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। साथ ही स्टार्टअप और उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने के लिए भी जीआईटीओ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ईद-उल-अजहा पर अमन- चैन व खुशहाली के लिए मांगी दुआएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को नगर में धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज में पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। नगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी काचरिया रोड स्थित ईदगाह मैदान पहुंचे, जहां सामूहिक रूप से विशेष नमाज अदा की गई। सुबह मस्जिद से मुस्लिम समाज का जुलूस निकला, जो मुख्य मार्गों से होते हुए ईदगाह मैदान पहुंचा। जुलूस में मौ

लाना शमीम अख्तर सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं बच्चे शामिल रहे। ईदगाह मैदान पर मौलाना अख्तर ने विशेष नमाज अदा कराई तथा अपने संबोधन में लोगों को ईद-उल-अजहा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व त्याग, बलिदान, समर्पण एवं मानव सेवा का संदेश देता है। साथ ही देश में अमन-चौन, खुशहाली,

तरक्की एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने की दुआ भी की गई। अंजुमन सदर एम सय्यद मंसूरी ने बताया नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद दिनभर मुस्लिम समाज में कुर्बानी का दौर चलता रहा। पर्व को लेकर बच्चों एवं युवाओं में भी विशेष उत्साह नजर आया। मंसूरी ने सभी जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं गणमान्यजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा का यह पर्व पिपलियामंडी एवं संपूर्ण मल्हारगढ़ क्षेत्र में एकता, साझा संस्कृति और भाईचारे की मिसाल बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से पर्व की खुशियां और अधिक बढ़ गईं। इधर ईदगाह मैदान पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। मुस्लिम समाज को पर्व की शुभकामनाएं देने पहुँचे किसान नेता नेता श्यामलाल जोकचन्द ने कहा कि ईद-उल-अजहा का पर्व समाज में प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को मिलजुलकर सामाजिक एकता एवं सद्भाव को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। वही कांग्रेस नेताओं ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को गले लगाकर ईद की बधाई दी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय मालेचा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, नगर कांग्रेस अध्यक्ष किशोर उणियारा, पूर्व अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति का लगातार जायजा लिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा मय पुलिस बल ईद पर्व के मद्देनजर जिले की कानून व्यवस्था, शहर के संवेदनशील इलाके, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों ने भ्रमण किया गया साथ ही शिवना नदी एवं आसपास के जलाशयों, जल संग्रहण स्थलों रामघाट बैराज एवं अन्य जल स्त्रोतों का किया भ्रमण।

दिनांक 28.05.26 को जिला मंदसौर में ईद पर्व सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया गया। इसी दौरान पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीना द्वारा जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति का लगातार जायजा लिया जा रहा है। इसी दौरान विनोद कुमार मीना द्वारा जिले की कानून व्यवस्था का जायजा लेने के अतिरिक्त, शहर के संवेदनशील स्थानों, मिश्रित आबादी वाले इलाकों में भ्रमण किया गया। साथ ही शिवना नदी एवं आसपास के जलाशयों, जल भंडारण स्थलों जैसे रामघाट बैराज, कालाभाटा डैम का भी भ्रमण कर सुनिश्चित किया गया जिससे कोई भी अवशिष्ट पदार्थ जल स्त्रोतों में न फेंके। सघन चेकिंग के दौरान स्थल पर उपस्थित पुलिस बल को भी सतर्क रहकर एवं मुस्तैद होकर अपने कर्तव्य निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर टी एस बघेल, एसडीएम शिवलाल शाक्य, नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर के साथ साथ थाना प्रभारी कोतवाली पुष्पेंद्र सिंह राठौर, थाना प्रभारी वायडी नगर शिवांशु मालवीय तथा थाना प्रभारी नई आबादी कुलदीप सिंह एवं पुलिस बल उपस्थित रहा।

शासकीय महाविद्यालय सैलाना में राज्य आनंद संस्थान की प्रेरणादायी कार्यशाला आयोजित रिश्तों में प्रेम और जीवन में आनंद का संचार

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय सैलाना में राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक दिवसीय परिचय कार्यशाला का आयोजन उत्साह एवं भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला में सी.एम.सी.एल.डी.पी. के 115 विद्यार्थियों ने सहभागिता कर जीवन को आनंदित, सरल एवं तनावमुक्त बनाने के सूत्र सीखे।

कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य आर. एस. पाटीदार ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को ईमानदारी एवं परिश्रम के साथ जीवन जीते हुए आनंदित रहने की प्रेरणा दी। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय ने राज्य आनंद संस्थान के इस अभिनव कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ÷अल्पविराम÷ जैसे कार्यक्रम युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त बनाते हैं तथा कार्यक्षेत्र और परिवार दोनों में उत्साह, ऊर्जा एवं सकारात्मकता बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों को अपने जीवन में अपनाएं तथा दूसरों तक भी पहुंचाएं।

आनंद विभाग की जिला समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर सीमा अग्निहोत्री ने कहा कि ÷अल्पविराम अंतरात्मा की आवाज़ है जो मानसिक तनाव को कम कर जीवन में संतुलन और आनंद लाता है।

राणाखेड़ा फंटे पर सिंचाई पाइप लाइन विवाद में जेसीबी में लगाई आग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना अंतर्गत राणाखेड़ा फंटा पर बीती रात सिंचाई परियोजना के कार्य के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। खेत में पाइपलाइन डालने के दौरान दूसरी पाइपलाइन फूट जाने से दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पाइपलाइन खुदाई में लगी जेसीबी मशीन में आग लगा दी गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अफजलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। जेसीबी संचालक कमलसिंह निवासी मकड़वान थाना शामगढ़ ने आरोप लगाया कि राणाखेड़ा निवासी कारूलाल पाटीदार ने जेसीबी में आग लगाई। बताया जा रहा है कि पाइपलाइन फूटने को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय तक विवाद चलता रहा, जिसके बाद मामला उग्र हो गया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वृद्धजनों के लिए 30 मई को रेडक्रॉस सभागार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय, नीमच द्वारा शनिवार, 30 मई 2026 को प्रातः 9ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक रेडक्रॉस सभागार में वृद्धजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जिला चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम द्वारा वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों की निःशुल्क जांच, परामर्श, उपचार किया जाएगा तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटिल एवं वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ.मनीष यादव ने जिले के समस्त वृद्धजनों से शिविर में उपस्थित होकर अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी समिति की बैठक आज 29 मई 2026, शुक्रवार को शाम 4ः00 बजे कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा होगी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

नकली खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाई बेचने वालों पर होगी कार्यवाही

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. शासन के दिशा निर्देशानुसार गुण नियंत्रण सघन अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में विकासखण्डवार गठित निरीक्षक दल द्वारा 28 मई को खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं की फर्मों का विकासखंड सैलाना में सचिन कृषि सेवा केन्द्र सरवन, अरुण कृषि सेवा केन्द्र सरवन तथा महेश कृषि सेवा केन्द्र सैलाना का औचक निरीक्षण कर पी.ओ.एस. मशीन स्टॉक का मिलान ई विकास प्रणाली के ई-उर्वरक एप्प से किया गया। निरीक्षण के समय सचिन कृषि सेवा केन्द्र सरवन फर्म बंद पाई गई।

ग्राम अडवानिया में चेकडैम का किया लोकार्पण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सैलाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत अडवानिया में समृद्धि परियोजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से निर्मित चेकडैम का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह निर्माण कार्य सुजलॉन फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग तथा बायपास संस्थान के माध्यम से किया गया है।

चेकडैम बनने से क्षेत्र में वर्षाजल संरक्षण, भू-जल स्तर सुधार एवं किसानों को सिंचाई में लाभ होगा।

लोकार्पण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अडवानिया की सरपंच जमना चैनराम मईडा मुख्य रूप से उपस्थित थी । कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति के सदस्य देवचंदन पाटीदार, छोगालाल पाटीदार सहित गांव के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे ।

इस अवसर पर सुजलॉन फाउंडेशन के सीएसआर मैनेजर मध्यप्रदेश रामकुमार कटियार ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस प्रकार के कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं सुजलॉन कंपनी के एरिया लाइजनिंग ऑफिसर धर्मेश देवडा ने ग्रामीणों से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं रखरखाव में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

बायपास संस्थान की ओर से परियोजना समन्वयक सुरेन्द्र गेहलोत एवं सामुदायिक समन्वयक मंगल सिंह राठौर ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि समृद्धि परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में जल संरक्षण के कई कार्य किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा।

अंत में उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए परियोजना के सफल संचालन के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया।

अल्ट्राटेक सीमेंट की मनमानी पर न्यायालय का बड़ा हंटरः 58 वर्ष में सेवानिवृत्ति अवैध, श्रमिकों को पूरा वेतन और री-ज्वाइनिंग के आदेश, प्रबंधन को तगड़ा झटका- श्रमिकों में जश्न

अल्ट्राटेक प्रबंधन को तगड़ा झटका, राजपत्र के नियमों को ठेंगे पर रख कर रहा था काम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक क्षेत्र जावद के खोर स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री प्रबंधन की तानाशाही और मनमाने रवैये पर माननीय औद्योगिक न्यायालय इंदौर ने जोरदार कानूनी हंटर चलाया है। न्यायालय ने दो अलग-अलग मामलों में सुनवाई करते हुए अल्ट्राटेक प्रबंधन द्वारा फैक्ट्री श्रमिकों, टेक्नीशियनों और कर्मचारियों की 58 वर्ष की उम्र में की जा रही सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) को पूरी तरह अवैध, अनुचित और दुर्भावनापूर्ण करार दिया है।

अदालत ने पीड़ित श्रमिकों को उनके पिछले सेवाकाल का पूरा वेतन एरियर सहित भुगतान करने और आगामी 1 जून 2026 से उन्हें बचे हुए सेवाकाल के लिए फैक्ट्री में दोबारा ज्वाइन कराने का कड़ा आदेश जारी किया है।

क्या है पूरा मामला और प्रबंधन की हेकड़ी- सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के प्रदेश सचिव कामरेड शैलेंद्र सिंह ठाकुर ने इस धारदार फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में कार्यरत दीपक कुलश्रेष्ठ एवं उद्यमी राम जाट को प्रबंधन ने 58 वर्ष की आयु पूरी होने का हवाला देकर जबरन रिटायर कर दिया था। प्रबंधन की इस तानाशाही को दोनों श्रमिकों ने औद्योगिक न्यायालय में चुनौती दी थी।

उल्लेखनीय है कि ट्रेड यूनियनों के एक लंबे और कड़े संघर्ष के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने 28 जून 2014 को ही %मध्य प्रदेश मानक स्थाई आदेश% में संशोधन कर औद्योगिक श्रमिकों की सेवानिवृत्ति की आयु को 58 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष कर दिया था। 25 अक्टूबर 2014 को इसका बाकायदा राजपत्र (गजट) भी नोटिफिकेशन जारी हो चुका था। इसके बावजूद, देश की इतनी बड़ी सीमेंट कंपनी सरकार के राजपत्र को ठेंगे पर रखकर लगातार अपने कर्मचारियों के हकों का खून कर रही थी और उन्हें 58 साल में ही बाहर का रास्ता दिखा रही थी।

अदालतों से बार-बार थप्पड़, फिर भी नहीं चेता प्रबंधन- यह कोई पहला मामला नहीं है जब अल्ट्राटेक की किरकिरी हुई हो। इससे पहले भी कई पीड़ित श्रमिक श्रम न्यायालय, औद्योगिक न्यायालय और यहाँ तक कि माननीय उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ की डबल बेंच तक से अपने हक की लड़ाई जीत चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला, लोक अदालत में भी अड़ा रहा प्रबंधन- ईकोर्ट से मुंह की खाने के बाद भी अल्ट्राटेक प्रबंधन की हेकड़ी कम नहीं हुई और वह आदेशों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने नीमच विधिक प्राधिकरण में 21, 22 और 23 मई 2026 को आयोजित विशेष लोक अदालत में इस मामले को आपसी समझौते के लिए भेजा था। लेकिन वहां भी कॉर्पोरेट लालच के चलते प्रबंधन का रुख बेहद अड़ियल और असंतोषजनक रहा। अंततः कानून के डंडे ने प्रबंधन की इस मनमानी को चकनाचूर कर दिया।

श्रमिकों में जश्न का माहौल, अन्य पीड़ित कर्मचारियों के लिए खुला रास्ता- औद्योगिक न्यायालय में श्रमिकों की ओर से इस मजबूत कानूनी लड़ाई की पैरवी एडवोकेट बीएस शेखावत ने की। उनकी अकाट्य दलीलों के आगे प्रबंधन का कोई बहाना नहीं टिक सका।

इस ऐतिहासिक और धारदार निर्णय के बाद अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री खोर में कार्यरत हजारों श्रमिकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है और उन्होंने मिठाई बांटकर इस जीत का जश्न मनाया। इस फैसले ने उन तमाम कर्मचारियों के लिए भी न्याय के द्वार खोल दिए हैं जिन्हें प्रबंधन ने पिछले कुछ सालों में गैर-कानूनी तरीके से 58 वर्ष की उम्र में जबरन रिटायर कर घर बैठा दिया था। अब ऐसे सभी कर्मचारियों के लिए न्यायालय जाकर अपना हक वापस पाने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है।

मनासा में सियासी संग्राम तेजः कांग्रेस का प्रशासन पर 'लोकतंत्र कुचलने' का आरोप, विधायक पर साधा निशाना, बड़े आंदोलन की चेतावनी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनासा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और सत्ता पक्ष के बीच टकराव अब खुलकर सड़क पर आ गया है। गुरुवार दोपहर गांधी भवन जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित तीखी प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन और स्थानीय विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए साफ कहा कि मनासा में लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है।प्रदर्शन की अनुमति निरस्त होने से नाराज कांग्रेस ने इसे सत्ता के दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए आने वाले दिनों में बड़े जनआंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा ने कहा कि मनासा में विपक्ष की आवाज को दबाने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं, किसानों और आम जनता पर झूठे मुकदमे दर्ज कर भय का माहौल बनाया जा रहा है।नाहटा ने कहा कि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीष पोरवाल पर दर्ज प्रकरण, खिमला प्लांट की अवैध गतिविधियों का विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा द्वारा की गई शिकायत के विरोध में कांग्रेस ने 29 मई को शांतिपूर्ण प्रदर्शन और पुलिस थाने के घेराव का कार्यक्रम तय किया था।

उन्होंने कहा कि प्रशासन की आपत्ति के बाद कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन की जगह शांतिपूर्ण आमसभा और ज्ञापन सौंपने का निर्णय लेते हुए नया आवेदन भी दिया, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ने अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया। नाहटा ने आरोप लगाया कि यह फैसला स्थानीय विधायक माधव मारू के दबाव में लिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है और किसी भी दबाव के आगे झुकने वाली नहीं है।पूर्व मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब यह आंदोलन और व्यापक रूप लेगा। जल्द ही नई तारीख घोषित कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में मनासा में विशाल जनआंदोलन किया जाएगा,जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे।वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने भी बेहद आक्रामक अंदाज में भाजपा और प्रशासन पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मनासा विधानसभा क्षेत्र अपराध, भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। बाहेती ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में करोड़ों रुपए के जमीन घोटाले, अवैध हथियार फैक्ट्रियां और युवाओं को बर्बादी की ओर धकेलने वाली एमडी ड्रग्स फैक्ट्रियां संचालित हो रही हैं। इसके बावजूद प्रशासन कार्रवाई करने के बजाय राजनीतिक दबाव में चुप बैठा है।उन्होंने कहा कि अवैध रेत उत्खनन और बिना अनुमति काटी जा रही कॉलोनियों को भी संरक्षण दिया जा रहा है। बाहेती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के आंदोलनों में उमड़ रही भीड़ और जनता के समर्थन से भाजपा नेताओं में घबराहट है। इसी कारण विपक्ष को रोकने के लिए प्रशासन का उपयोग किया जा रहा है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि पूरे मध्यप्रदेश में सिर्फ नीमच जिले में ही धारा 144 क्यों लगाई गई,उन्होंने कहा कि यह कदम जनता और विपक्ष की आवाज दबाने के उद्देश्य से उठाया गया है। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो अधिकारी सत्ता के दबाव में काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ भी समय आने पर प्रमाणों के साथ खुलासा किया जाएगा।प्रेसवार्ता में ब्लॉक अध्यक्ष श्याम सोनी,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनोरमा मूंदड़ा,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रामप्रसाद कसेरा,पार्षद सत्यनारायण लक्षकार सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब यह लड़ाई सिर्फ अनुमति की नहीं,बल्कि लोकतंत्र और जनता की आवाज बचाने की लड़ाई बन चुकी है।

डोडाचूरा तस्करी के आरोपी 4 दिन रिमांड पर, मास्टरमाइंड दिनेश की तलाश तेज, राजस्थान जाएगी पुलिस टीम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ क्षेत्र में फिल्मी स्टाइल में हुई मुठभेड़ और 252 किलो डोडाचूरा जब्ती मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मामले में मास्टरमाइंड बताए जा रहे राजस्थान के सांचोर जिले के निवासी दिनेश पिता कृष्णाराम विश्नोई की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम राजस्थान रवाना की जा रही है। वहीं गिरफ्तार दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। थाना प्रभारी राजेंद्रकुमार पंवार ने बताया कि सांचौर निवासी दिनेश पिता कृष्णराम विश्नोई ने ही दोनों आरोपियों को डोडाचूरा लेने के लिए मंदसौर जिले में भेजा था।

वाहन की व्यवस्था भी उसी ने की थी। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि साबाखेड़ा फंटे पर दिनेश द्वारा एक तस्कर को भेजा था, जो दोनों आरोपियों से मिला था। वहां उसने आरोपियों को रोककर वाहन अपने कब्जे में लिया और डोडाचूरा भरवाने के बाद कार वापस देकर चला गया। गिरफ्तार आरोपी माल भरने वाले व्यक्ति को नहीं पहचानते, क्योंकि संपर्क केवल दिनेश के माध्यम से ही था। टीआई पंवार ने बताया कि करीब छह माह पूर्व भी नारायणगढ़ क्षेत्र में डोडाचूरा तस्करी के एक अन्य मामले में दिनेश और भजनलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ था। उस मामले में भी दिनेश पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस अब आरोपियों की कॉल डिटेल खंगाल रही है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं रहा है। पुलिस जांच में यह भी बड़ा खुलासा हुआ है कि तस्करी में प्रयुक्त क्रेटा कार पर लगी नंबर प्लेट फर्जी थी। वाहन पर एमपी-04-केआर-1543 नंबर अंकित था, जो जांच में यह नंबर फर्जी पाया गया। कार से गुजरात रजिस्ट्रेशन के तीन अलग-अलग नंबरों की कुल छह नंबर प्लेटें भी बरामद हुई हैं। इसके अलावा वाहन के इंजन और चेसिस नंबर भी घिसे हुए मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वाहन का उपयोग लंबे समय से अवैध गतिविधियों में किया जा रहा था। टीआई पंवार ने बताया कि दिनेश ने ही राजूराम और सूरज को 15-15 हजार रुपए देकर डोडाचूरा लेने के लिए भेजा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाली पार्टी भी सीधे दिनेश के संपर्क में थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि खेप कहां पहुंचाई जानी थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। गौरतलब है कि बुधवार को नारायणगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डोडाचूरा से भरी एक कार क्षेत्र से गुजरने वाली है।

बरखेड़ा वीरपुरिया फंटा स्थित सगस बावजी मंदिर के पास पुलिस ने क्रेटा कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला। कुछ दूरी पर कार असंतुलित होकर यात्री प्रतीक्षालय की दीवार और पेड़ से टकरा गई। इसके बाद कार में सवार दोनों आरोपी भागने लगे और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से चार राउंड फायर किए। हालांकि किसी पुलिसकर्मी को गोली नहीं लगी। पुलिस ने घेराबंदी कर राजस्थान के जालोर जिले के थाना बागोड़ा क्षेत्र निवासी राजूराम विश्नोई और सांचौर जिले के सूरज विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सूरज के पास से देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया था। कार की तलाशी लेने पर 12 प्लास्टिक कट्टों में भरा 252 किलो डोडाचूरा जब्त किया था।

सम्पादकीय

न त्याग की मूर्ति, न कमाई का बोझ- बस दो इंसान, एक सफर

भारतीय विवाह व्यवस्था लंबे समय तक एक मौन धारणा पर टिकी रही– पुरुष कमाएगा, स्त्री बिना सवाल घर संभालेगी। इसी सोच ने अनेक रिश्तों को साझेदारी नहीं, बल्कि असमान जिम्मेदारियों का बोझ बना दिया। घर को पत्नी का कर्तव्य और अधिकार को पति का विशेषाधिकार मानने वाली मानसिकता पर अब कानून ने सीधा प्रहार किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट का हालिया फैसला केवल न्यायिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है। अदालत ने साफ कहा कि पत्नी कोई नौकरानी नहीं और विवाह किसी एक की सेवा का अनुबंध नहीं हो सकता। रिश्ता तभी टिकेगा, जब दोनों पक्ष बराबर सम्मान, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ साथ चलें।

मुंबई का यह वैवाहिक विवाद उस सोच को सामने ले आया, जहां पत्नी को रिश्ते से ज्यादा घरेलू कसौटियों पर परखा गया। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने 2004 में तलाक मांगते हुए आरोप लगाया कि पत्नी न ठीक से खाना बनाती है, न घर संभालती है, सास-ससुर के प्रति अपेक्षित व्यवहार नहीं रखती और अक्सर मायके चली जाती है। बांद्रा फैमिली कोर्ट ने 2010 में तलाक मंजूर कर दिया, लेकिन 8 मई 2026 को न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने वह फैसला पलट दिया। अदालत ने साफ कहा कि सामान्य घरेलू मतभेदों और व्यवहारिक असहमतियों को मानसिक क्रूरता नहीं माना जा सकता। पत्नी को 20 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण देकर यह स्पष्ट किया कि विवाह बराबर जिम्मेदारी का रिश्ता है।

भारतीय घरों में वर्षों तक रसोई, सफाई, बुजुर्गों की सेवा और परिवार के लिए निरंतर समर्पण को स्त्री का अनिवार्य धर्म मान लिया गया। अच्छी पत्नी की परिभाषा भी इन्हीं जिम्मेदारियों में बांध दी गई। जरा-सी कमी होते ही उसे असंवेदनशील या परिवार से दूर समझ लिया जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब इसी जड़ सोच पर सवाल उठाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि विवाह में कोई मालिक नहीं, कोई सेवक नहीं। यह फैसला केवल महिलाओं के अधिकार की बात नहीं करता, बल्कि पुरुषों को भी रिश्तों में सम्मान, सहयोग और साझेदारी का वास्तविक अर्थ समझाने की कोशिश करता है। क्योंकि मजबूत विवाह वही है, जहां जिम्मेदारियां एकतरफा नहीं, साझा हों।

कानूनी दृष्टि से यह फैसला इसलिए निर्णायक बन गया क्योंकि अदालत ने क्रूरता की परिभाषा को संकीर्ण धारणाओं से बाहर निकालकर वास्तविक जीवन की जमीन पर देखा। छोटे घरेलू मतभेद, स्वभाव का अंतर या रोजमर्रा की असहमतियां तलाक का आधार नहीं बन सकतीं। अदालत ने स्पष्ट माना कि साथ रहने वाले दो व्यक्तियों के बीच टकराव स्वाभाविक है। यदि पति पत्नी में केवल आदर्श गृहिणी तलाशे और पत्नी पति को सिर्फ आर्थिक सुरक्षा का माध्यम समझे, तो रिश्ते अपनी मूल भावना खो देते हैं। कानून किसी एक पक्ष को श्रेष्ठ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि दोनों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए बना है। यही वजह रही कि पत्नी की सीमित आय के बावजूद अदालत ने पति की जिम्मेदारी को खत्म नहीं माना।

यह निर्णय बदलते भारत की उस सच्चाई को भी स्वीकार करता है, जहां महिलाएं अब केवल घर की चौखट तक सीमित नहीं रहीं। शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता उनकी नई पहचान बन रहे हैं। वहीं पुरुष भी आर्थिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और पारिवारिक अपेक्षाओं के बोझ से गुजरते हैं। ऐसे में विवाह तभी संतुलित रह सकता है, जब दोनों एक-दूसरे की परिस्थितियों और संघर्षों को समझें। यदि पत्नी कामकाजी है तो घरेलू जिम्मेदारियां साझा हों, और यदि पति बाहरी दबावों से जूझ रहा है तो उसे भावनात्मक सहारा मिले। रिश्तों की असली मजबूती अधिकारों से नहीं, बल्कि साझा दायित्व और पारस्परिक सहयोग से जन्म लेती है।

रिश्तों को देखने के पुराने नजरिए पर यह निर्णय केवल कानूनी आदेश नहीं, बल्कि गंभीर सवाल है। अब घर नहीं संभालोगी तो तलाक जैसी धमकियां पहले की तरह असरदार नहीं रहेंगी। साथ ही यह भी उतना ही सच है कि पुरुषों के संघर्ष और भावनाएं भी महत्व रखती हैं। अदालत ने साफ कर दिया कि न स्त्री त्याग की अनंत मशीन है और न पुरुष केवल जिम्मेदारियों का बोझ उठाने वाला साधन। दोनों की अपनी सीमाएं, अपेक्षाएं और सम्मान हैं। यही समझ आने वाली पीढ़ी को ऐसे विवाह की ओर ले जा सकती है, जहां रिश्ते अधिकार से नहीं, बल्कि सहयोग, संवेदना और बराबरी से चलें। साझेदारी की बात को जिम्मेदारियों से मुक्ति समझना इस फैसले की गलत व्याख्या होगी। अदालत ने स्पष्ट रूप से घरेलू कर्तव्यों और वैवाहिक उत्तरदायित्वों के महत्व को नकारा नहीं है। जहां रिश्तों में अपमान, हिंसा, मानसिक प्रताड़ना या जानबूझकर उपेक्षा होगी, वहां कानून पहले की तरह गंभीर रहेगा।

डिजिटल युग में मानसिक स्वतंत्रता व संतुलन की ओर एक सहज कदम- सहजयोग

आज के डिजिटल युग में अत्यधिक मोबाइल उपयोग एक गंभीर सामाजिक और मानसिक समस्या बन चुका है, जिसे मोबाइल एडिक्शन या स्क्रीन टाइम डिसऑर्डर कहा जाता है। यह समस्या केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। आँखों की कमजोरी, सिरदर्द, अनिद्रा, मानसिक थकान, चिड़चिड़ापन तथा एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं।

मोबाइल व सोशल मीडिया के प्रति अत्यधिक लगाव और निरंतर स्क्रीन पर बने रहने से मन विचलित रहने लगता है। सूक्ष्म रेडिएशन और लगातार सूचना प्रवाह के कारण मानसिक संतुलन प्रभावित होता है तथा गहरी और शांतिपूर्ण नींद में बाधा आती है। बच्चों और युवाओं में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले रही है, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति में परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त सहजयोग ध्यान एक अत्यंत प्रभावी और प्राकृतिक समाधान के रूप में सामने आया है। सहजयोग ध्यान व्यक्ति को मानसिक शांति, आत्मनियंत्रण और आंतरिक संतुलन प्रदान करता है। यह ध्यान पद्धति व्यक्ति को विचारों की भीड़ से बाहर निकालकर निर्विचार एवं वर्तमान की अवस्था में स्थापित करती है, जहाँ मन स्वतः शांत और संतुलित हो जाता है।

चिंता, तनाव और मानसिक विचलन से मुक्ति-सहजयोग ध्यान का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मन में उठने वाली अनावश्यक चिंताओं और तनावपूर्ण विचारों को सहज रूप से शांत करता है। मोबाइल और सोशल मीडिया के कारण उत्पन्न मानसिक विचलन पर नियंत्रण पाने में यह अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहा है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति वर्तमान में जीना सीखता है और भूत एवं भविष्य की चिंताओं से मुक्त होकर मानसिक शांति का अनुभव करता है। इससे तनाव कम होता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार आता है।

एडिक्शन पर नियंत्रण का प्रभावी उपाय- किसी भी प्रकार की लत से बाहर आने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति और मन पर नियंत्रण आवश्यक होता है। सहजयोग का मूल आधार ही मन की एकाग्रता और निर्विचार अवस्था है। इसमें किसी प्रकार की जबरदस्ती या कठोर अनुशासन की आवश्यकता नहीं होती; बल्कि ध्यान के अभ्यास से व्यक्ति स्वाभाविक रूप से गलत आदतों से दूर होने लगता है। यही कारण है कि डिजिटल डिटॉक्स और मोबाइल एडिक्शन से मुक्ति में सहजयोग अत्यंत कारगर सिद्ध हो रहा है।

जीवन में संतुलन, रचनात्मकता और आनंद- सहजयोग न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि जीवन में जागरूकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी विकास करता है। ध्यान के अभ्यास से चित्रकला, संगीत, नृत्य, लेखन जैसी रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ती है और व्यक्ति कृत्रिम जीवनशैली से निकलकर प्रकृति और वास्तविक जीवन के अधिक निकट आ जाता है। यह संतुलन अनेक मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं को स्वतः कम करने में सहायक होता है।

अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अमरज्योति

भारतीय इतिहास के विशाल आकाश में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो केवल अपने समय के शासक नहीं होते, बल्कि युग की चेतना बन जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व हैं। वे केवल मालवा की रानी नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सुशासन, न्याय और लोककल्याण की जीवित प्रतिमूर्ति थीं। 31 मई 2026 को उनकी 301वीं जयंती मनाई जा रही है। यह अवसर केवल एक महान शासिका को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उस दिव्यदृष्टि और जीवन-दर्शन को पुनः समझने का है, जिसकी आज के भारत को अत्यंत आवश्यकता है। 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में जन्मी अहिल्या एक सामान्य परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी शिंदे ग्राम प्रधान थे। उस समय जब स्त्री-शिक्षा का प्रचलन लगभग नहीं था, तब उन्होंने अपनी पुत्री को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास दिया। यही शिक्षा आगे चलकर उन्हें भारतीय इतिहास की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में स्थापित करने वाली बनी।

मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने बालिका अहिल्या में अद्भुत प्रतिभा देखी और उनका विवाह अपने पुत्र खंडेराव होल्कर से करवा दिया। किंतु विवाह के कुछ वर्षों बाद ही युद्ध में पति की मृत्यु हो गई। उस युग की परंपराओं के अनुसार अहिल्याबाई सती होना चाहती थीं, लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि राज्य और प्रजा को उनकी आवश्यकता है। यही वह क्षण था, जहां से एक साधारण स्त्री का असाधारण नेतृत्व आरंभ हुआ। अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों की अग्निपरीक्षा रहा। पति की मृत्यु, पुत्र मालेराव का निधन और बाद में ससुर मल्हार राव का बिछोह-इन सब आघातों के बाद भी उन्होंने स्वयं को टूटने नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पीड़ा को जनसेवा की शक्ति में बदल दिया। यही कारण है कि उनका शासन केवल राजसत्ता नहीं, बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व का आदर्श बन गया।

1767 में जब वे मालवा की गद्दी पर बैठीं, तब राजनीतिक अस्थिरता, षड्यंत्र और बाहरी आक्रमणों का दौर था। किंतु उन्होंने अद्भुत धैर्य, विवेक और साहस के साथ शासन संभाला। उनका प्रशासन इस बात का उदाहरण था कि सुशासन केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवेदना, न्याय और नैतिकता से संचालित होता है। उन्होंने कर व्यवस्था को सरल बनाया, किसानों पर लगान कम किया और व्यापार को संरक्षण दिया। उनके शासन में मालवा समृद्धि, शांति और सांस्कृतिक विकास का केंद्र बन गया। आज जब राजनीति अक्सर सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ का पर्याय बनती जा रही है, तब अहिल्याबाई का जीवन यह संदेश देता है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य जनता का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने कभी राजसत्ता को अहंकार का माध्यम नहीं बनने दिया। वे प्रतिदिन खुले दरबार में प्रजा की समस्याएं सुनती थीं। उनके न्याय में न पक्षपात था और न विलंब। यही कारण था कि जनता उन्हें 'लोकमाता' कहकर सम्मान देती थी।

अहिल्याबाई का सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में दिखाई देता है। मुगल आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के अनेक मंदिर और तीर्थस्थल नष्ट हो चुके थे। उन्होंने केवल मंदिरों का पुनर्निर्माण नहीं करवाया, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और उज्जैन सहित अनेक तीर्थों में उन्होंने घाट, मंदिर, कुएं और धर्मशालाएं बनवाईं। यह कार्य किसी संकीर्ण धार्मिक आग्रह से प्रेरित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास था। उनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी। वे समाज-सुधार की भी प्रबल पक्षधर थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिया, सती प्रथा और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयास किया। यह उस समय की दृष्टि से अत्यंत क्रांतिकारी सोच थी। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष सैन्य टुकड़ी भी गठित की। यह इस बात का प्रमाण है कि वे नारी को केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की प्रतीक मानती थीं।

महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने उसे संस्कृति, कला और उद्योग का केंद्र बनाया। महेश्वरी साड़ियों की परंपरा आज भी उनके दूरदर्शी आर्थिक चिंतन की साक्षी है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। वर्तमान समय में जब ÷लोकल फॉर वोकल÷ और आत्मनिर्भर भारत की चर्चा हो रही है, तब अहिल्याबाई का मॉडल और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें ÷दार्शनिक रानी÷ कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का ÷स्वर्ण युग÷ बताया। यह केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है कि अहिल्याबाई ने भारतीय शासन परंपरा को नैतिक ऊंचाई प्रदान की। अहिल्याबाई शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। वे बताती हैं कि नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना है। राष्ट्र निर्माण केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सेवा, न्याय और संवेदना से होता है। अहिल्याबाई होलकर का कृतित्व बहुआयामी, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी था। वे केवल एक सफल शासिका नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और नारी नेतृत्व की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित कर मालवा को समृद्धि, शांति और विकास के शिखर पर पहुँचाया। कृषि, व्यापार, जलसंधारण, उद्योग एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा दिया, किसानों को संरक्षण दिया तथा सामाजिक समरसता को मजबूत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण हेतु तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण एवं विकास कराया। नारी सम्मान, विधवा संरक्षण, शिक्षा, लोकसेवा और परोपकार के क्षेत्रों में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहे। उनका कृतित्व प्रशासनिक दक्षता, मातृवत् संवेदना, धर्मनिष्ठा, साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की चेतना का अद्वितीय संगम था।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति का वह उज्ज्वल अध्याय हैं, जिसमें साहस है, संवेदना है, संस्कृति है और सृजन है। वे इतिहास की स्मृति भर नहीं, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनकी 301वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन मूल्योंकृसुशासन, लोककल्याण, नारी सम्मान, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदना को अपने राष्ट्रीय जीवन में पुनः प्रतिष्ठित करें। लोकमाता अहिल्याबाई सचमुच भारतीय संस्कृति की वह अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक समाज को प्रकाश देती रहेंगी।

-ललित गर्ग

शिखर पर महिलाओं के होने का मतलब

बंगाल में पराजय के बाद ममता बनर्जी मुश्किल में हैं। उनके सहयोगी ही उनके खिलाफ खड़े हो रहे हैं। ममता यह दिखा रही हैं कि किस तरह हर वक्त संविधान बचाने और लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेता चुनाव परिणाम अपने अनुकूल न आने के बाद किसी भी तरह के झूठ से परहेज नहीं करते। पता नहीं क्यों नेता यह मानकर बैठ जाते हैं कि कोई राज्य उनकी निजी जागीर है और वे हमेशा ही वहां बने रहेंगे? ममता की हार पर दो तरह के विमर्श चालू हैं। एक पक्ष कह रहा है कि उनकी हार उनकी पार्टी की गुंडागर्दी, तानाशाहीपूर्ण नीतियों, अवैध वसूली, भ्रष्टाचार तथा हिंदुओं की नाराजगी के कारण हुई। दूसरा पक्ष उनकी हार पर कह रहा है-देश से लोकतंत्र खत्म हो गया, फासिज्म आ गया आदि।

फासिज्म का राग अलापने वाले यह नहीं बताते कि आपातकाल के दिनों में या हिटलर, मुसोलिनी, माओ, स्टालिन, शी चिनफिंग, किम इल सुंग से किम इल जोंग आदि के शासनकाल में क्या वे इतना बोल सकते थे? डिजिटल मीडिया पर जो चाहे, लिख सकते थे। आपातकाल को इस लेखिका ने देखा है। जहां किसी को भी बिना किसी जांच के उठा लिया जाता था। फिर उसका पता न चलता था। आपातकाल को भी एक महिला नेता इंदिरा गांधी ने ही लगाया था। तब लोकतंत्र के बहुत से हिमायतियों को सांप सूंघ गया था। दूरदर्शन, रेडियो, अखबारों में बाकायदा सरकार के लोग बैठे रहते, जो हर खबर को देखते। तभी वह छप सकती थी या प्रसारित हो सकती थी। मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं, उन्होंने राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को वाकई बहुत सुधारा, लेकिन उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि वे साबित नहीं हुए। कुछ साल पहले ममता बनर्जी की तरह ही उन्होंने भी अपने भतीजे को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। तमिलनाडु में जब जयललिता आईं तो उनकी परम मित्र शशिकला का बोलबाला हो गया था। जयललिता पर भी भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। वह पहली मुख्यमंत्री थीं, जिन्हें इस पद पर रहते हुए जेल जाना पड़ा। शीला दीक्षित जब दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तो निश्चित रूप से उन्होंने दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में बहुत योगदान दिया, लेकिन उन्हें भी भ्रष्टाचार के आरोपों से दो-चार होना पड़ा। उन्होंने भी अपने बेटे को आगे बढ़ाने की कोशिश की। पत्नी राबड़ी देवी को लालू प्रसाद यादव ने बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया था। उन पर भी जमीन के बदले नौकरी और आइआरसीटीसी घोटाले में लिप्त होने के आरोप लगे हैं। सुनवाई हो रही है। उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव और मीसा भारती बन गए हैं।

-धनंजय राजौरा

अब्राहम अकॉर्ड का समर्थन पाकिस्तान के लिए होगा आत्मघाती कदम

वैश्विक राजनीति में अब्राहम कार्ड यानी अब्राहम समझौता अभी सबसे ज्यादा चर्चित हॉट टॉपिक है। और यही अब्राहम रिकॉर्ड पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत बना हुआ है ।अब्राहम अकॉर्ड अमेरिका की पहल पर हुए इस समझौते ने अरब देशों और इजरायल के बीच दशकों पुरानी शत्रुता को संवाद और कूटनीतिक संबंधों में बदलने का प्रयास किया और पाकिस्तान सहित मुस्लिम दे

शों द्वारा इसराइल को देश के रूप में मान्यता प्रदान किया जाना होगा। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मोरक्को और सूडान जैसे देशों ने इजराइल के साथ संबंध सामान्य कर दुनिया को चौंका दिया। अब चर्चा इस बात की है कि अमेरिका चाहता है कि शेष मुस्लिम देश भी इसी राह पर चलें। इसी संदर्भ में पाकिस्तान की स्थिति अत्यंत जटिल और विरोधाभासी दिखाई देती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में आरंभ हुई इस नीति का मूल उद्देश्य मध्य पूर्व में नई सामरिक धुरी बनाना था। अमेरिका मानता है कि ईरान के बढ़ते प्रभाव, आतंकवाद और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए अरब देशों और इजराइल के बीच सहयोग आवश्यक है। अमेरिका की दृष्टि में यह समझौता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं बल्कि व्यापार, तकनीक, रक्षा और ऊर्जा सहयोग का नया मॉडल है। किंतु पाकिस्तान के लिए यह प्रश्न केवल विदेश नीति का नहीं बल्कि वैचारिक, धार्मिक और आंतरिक राजनीतिक संकट का विषय बन गया है।पाकिस्तान स्वयं को लंबे समय से इस्लामी दुनिया का प्रमुख समर्थक और फिलिस्तीन का पारंपरिक पक्षधर बताता रहा है। पाकिस्तान के पासपोर्ट पर आज भी यह उल्लेख मिलता है कि यह दस्तावेज इजराइल को छोड़कर सभी देशों के लिए मान्य है। यह केवल एक औपचारिक पंक्ति नहीं बल्कि पाकिस्तान की वैचारिक स्थिति का प्रतीक है। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही वहां की राजनीति में फिलिस्तीन मुद्दा भावनात्मक और धार्मिक रूप से जुड़ा रहा है। ऐसे में यदि पाकिस्तान इजराइल को मान्यता देता है तो उसे अपने ही देश के भीतर तीव्र विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था लंबे समय से विदेशी कर्ज और अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से बार-बार राहत पैकेज लेना उसकी मजबूरी बन चुका है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया है। ऐसे समय में अमेरिका की नाराजगी पाकिस्तान के लिए महंगी साबित हो सकती है। अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं पर प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी रणनीति के विरुद्ध जाता है तो भविष्य में आर्थिक सहायता और ऋृण प्राप्त करना कठिन हो सकता है।

दूसरी ओर पाकिस्तान की घरेलू राजनीति भी इस प्रश्न को सरल नहीं बनने देती। वहां के धार्मिक संगठन और कट्टरपंथी समूह इजराइल विरोध को अपने अस्तित्व का प्रमुख मुद्दा मानते हैं। यदि सरकार इजराइल के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में बढ़ती है तो बड़े पैमाने पर आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। पाकिस्तान पहले ही आंतरिक आतंकवाद, प्रांतीय असंतोष और राजनीतिक संघर्षों से जूझ रहा है। ऐसे में यह मुद्दा सरकार के लिए ÷गले की हड्डी÷ बन सकता है न उगलते बने और न निगलते।

वास्तव में पाकिस्तान की दुविधा केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामरिक भी है। वह लंबे समय से चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है, जबकि अमेरिका की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा पाकिस्तान के लिए आर्थिक आशा का केंद्र है, लेकिन पश्चिमी देशों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के सहयोग के बिना उसकी अर्थव्यवस्था स्थिर नहीं हो सकती। अमेरिका यह भी चाहता है कि पाकिस्तान अपनी विदेश नीति में कट्टरपंथी प्रभाव कम करे और व्यावहारिक कूटनीति अपनाए। किंतु पाकिस्तान की सत्ता संरचना में सेना, धार्मिक समूह और राजनीतिक दलों के अलग-अलग हित हैं, जिसके कारण कोई भी बड़ा निर्णय अत्यंत कठिन हो जाता है।

मध्य पूर्व के कई देशों ने अब यह मानना शुरू कर दिया है कि केवल इजराइल विरोध की राजनीति से आर्थिक और सामरिक लाभ नहीं मिलने वाले। संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन जैसे देशों ने इजराइल के साथ तकनीकी, रक्षा और व्यापारिक सहयोग से नए अवसर प्राप्त किए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि तकनीक और निवेश के क्षेत्र में इजराइल की क्षमता विश्व स्तर पर मानी जाती है। यही कारण है कि कई मुस्लिम देश अब व्यावहारिक कूटनीति को प्राथमिकता देने लगे हैं। पाकिस्तान पर भी इसी प्रकार का दबाव बढ़ रहा है कि वह भावनात्मक राजनीति से आगे बढ़कर आर्थिक हितों को देखे।

हालांकि पाकिस्तान की जनता का बड़ा वर्ग फिलिस्तीन के समर्थन को धार्मिक कर्तव्य मानता है। गाजा और पश्चिमी तट में होने वाली घटनाओं ने मुस्लिम समाज में गहरी संवेदनाएं पैदा की हैं। ऐसे माहौल में इजराइल को मान्यता देना किसी भी पाकिस्तानी सरकार के लिए राजनीतिक आत्मघात जैसा कदम माना जा सकता है। यही कारण है कि पाकिस्तान की सरकारें समय-समय पर संकेत तो देती हैं, किंतु खुलकर कोई निर्णय लेने से बचती रही हैं।

आने वाले समय में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो सकता है। यदि अमेरिका और उसके सहयोगी देश आर्थिक सहायता को विदेश नीति से जोड़ते हैं तो पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा। वहीं यदि पाकिस्तान घरेलू धार्मिक भावनाओं के कारण पीछे हटता है तो वह वैश्विक मंच पर अलग-थलग पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक विश्व राजनीति में केवल वैचारिक आग्रहों से काम नहीं चलता; आर्थिक शक्ति और कूटनीतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक हैं। पाकिस्तान आज दो राहों पर खड़ा दिखाई देता है। एक राह उसे पश्चिमी समर्थन, आर्थिक राहत और वैश्विक मुख्यधारा की ओर ले जाती है, जबकि दूसरी राह घरेलू धार्मिक भावनाओं और पारंपरिक नीति को बनाए रखने की है। समस्या यह है कि दोनों दिशाओं में जोखिम ही जोखिम हैं। यही कारण है कि अब्राहम अकॉर्ड पाकिस्तान के लिए वास्तव में गले की हड्डी बन चुका है।

-संजीव ठाकुर

खामोशी से भी ऊँची आवाज़ छोड़ जाने वाला नामः बशीर बद्र

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो बशीर बद्र की यह पंक्ति आज स्वयं एक विदाई का सन्नाटा बनकर गूंज रही है। उर्दू शायरी का वह नर्म, रोशन और संवेदनशील सितारा अब अस्त हो गया है। केवल एक शायर नहीं गया बल्कि एक पूरी भावनात्मक परंपरा मौन हो गई। 28 मई 2026 को भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी शायरी अब भी सांसों में जीवित है। वे केवल शब्द नहीं रचते थे, बल्कि टूटे हुए दिलों को जोड़ने वाली भावनाओं की पूरी दुनिया बसाते थे–जहाँ दर्द भी सुंदर लगता था और उम्मीद भी बहुत करीब। उनका जाना एक खालीपन नहीं, बल्कि एक ऐसी खामोश मौजूदगी है जो हर एहसास में धीरे-धीरे उतरती रहती है।

जब शब्दों की रौशनी खुद इतिहास बन जाए, तो समझिए कोई शायर अमर हो चुका होता है। मशहूर उर्दू शायर और गज़लकार पद्मश्री बशीर बद्र का जाना साहित्य जगत के लिए एक ऐसा आघात है जिसने भावनाओं की सबसे नाजुक परत को हिला दिया। वे उन विरले शायरों में थे जिनके शब्द मंच से उतरकर सीधे जीवन की सांसों में बस जाते थे। उनका जाना केवल शरीर का अंत नहीं, बल्कि उस आवाज़ का ठहर जाना है जिसने सादगी को भी शिखर बना दिया। फिर भी, उनकी ग़ज़लें आज भी हर टूटे दिल में जीवित हैं और हर याद में चुपचाप रोशनी बनकर चलती रहती हैं।

जहाँ शब्द जन्म लेते हैं और संवेदना उन्हें आकार देती है, वहीं से एक असाधारण सफ़र शुरू होता है। 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तब फैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र बचपन से ही शायरी की ओर

आकर्षित थे और सात वर्ष की उम्र में ही शेर कहने लगे थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए, एमए और पीएचडी के बाद उन्होंने वहीं उर्दू के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, फिर मेरठ कॉलेज में 17 वर्षों तक विभागाध्यक्ष रहे। फारसी, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ ने उनकी शायरी को समृद्ध और बहुआयामी बनाया। उनका जीवन ज्ञान और भावना का ऐसा संगम रहा जिसने उन्हें एक विशिष्ट पहचान दी।

जब जीवन की सबसे गहरी आग इंसान के भीतर उतर जाए, तो शब्द भी राख से जन्म लेते हैं। 1987 के मेरठ दंगों ने बशीर बद्र को भीतर तक तोड़ दिया–उनका घर, यादें और अनमोल अनप्रकाशित रचनाएँ सब कुछ जलकर राख हो गया। इस त्रासदी ने उन्हें लंबे समय तक लेखन से दूर कर दिया, और उनका जीवन गहरे खालीपन में डूब गया। लेकिन भोपाल में डॉ. राहत बद्र के साथ नए सिरे से मिली जीवन-धारा ने उन्हें फिर से शब्दों की ओर लौटा दिया। उसी पीड़ा से निकली उनकी अमर पंक्ति–÷लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने मेंज÷–आज भी मानवीय संवेदना की सबसे तीखी और सजीव अभिव्यक्ति मानी जाती है।

शब्दों को सजाने के बजाय उन्हें जीने की कला बशीर बद्र की शायरी की सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने जटिल अलंकारों की जगह जीवन की सीधी, सरल भाषा को अपनाया और उसी में गहराई भर दी। प्रेम, विरह, अकेलापन और सामाजिक यथार्थ उनकी ग़ज़लों में सहजता से उतरते थे। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'इकाई', 'इमेज', 'आमद', 'आहट', 'आस' और 'कुल्लियात-ए-बशीर बद्र' आधुनिक उर्दू साहित्य की अमूल्य धरोहर बन गईं। 'आस' के लिए उन्हें 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और उसी वर्ष पद्म श्री से सम्मान मिला। साथ ही उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी से चार बार, बिहार उर्दू अकादमी से एक बार तथा 1980 में न्यूयॉर्क के 'पोएट ऑफ द ईयर' सम्मान ने उनकी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया।

कुछ पंक्तियाँ समय को भी पीछे छोड़ देती हैं और स्मृतियों में हमेशा के लिए बस जाती हैं–ऐसी ही शायरी बशीर बद्र की पहचान है। उनकी मशहूर पंक्तियाँ ÷उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दोज÷ और ÷दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहेज÷ आज भी लोगों की जुबान पर जीवित हैं, जो रिश्तों और भावनाओं को एक नई दृष्टि देती हैं। उनके 18,000 से अधिक शेर और असंख्य ग़ज़लें फिल्मों, रेडियो और मुशायरों में लगातार गूँजती रही हैं। उनकी शायरी ने उर्दू ग़ज़ल को आम इंसान की भाषा बना दिया, जहाँ हर व्यक्ति अपने दर्द और अपनी पहचान को महसूस कर सकता है।

जब यादें साथ छोड़ने लगती हैं, तब भी शब्द अपनी रोशनी नहीं खोते–बशीर बद्र के जीवन का अंतिम चरण इसका साक्षात प्रमाण रहा। डिमेंशिया ने धीरे-धीरे उनकी स्मृतियों पर धुंध छा दी, लेकिन उनकी पत्नी डॉ. राहत बद्र उनकी रचनाएँ सुनाकर उन्हें फिर से जीवित करती रहीं। पुत्र नुसरत बद्र के निधन का गहरा आघात भी उन्होंने सहा, जो स्वयं फिल्मी गीतों की दुनिया में प्रतिष्ठित थे। इसके बावजूद, अंतिम वर्षों तक वे मुशायरों के सुल्तान बने रहे, जहाँ उनकी उपस्थिति ही मंच को जीवंत कर देती थी। स्मृतियाँ भले कमजोर पड़ती रहीं, लेकिन उनके शब्दों की चमक अंत तक अडिग रही–एक ऐसा जीवन, जो संघर्ष, प्रेम और साहित्य की अविस्मरणीय यात्रा बन गया।

विदा तो शरीर ने ली है, पर उनकी आवाज़ अभी भी दिलों में चलती है। बशीर बद्र अब इस संसार में नहीं हैं, फिर भी उनकी शायरी हर उस जगह मौजूद है जहाँ दर्द है, प्रेम है या टूटी हुई उम्मीदों की हल्की सी रोशनी। वे केवल शायर नहीं थे, बल्कि भावनाओं को शब्द देने वाला एक पूरा युग थे। उनकी विरासत बताती है कि साहित्य केवल पढ़ा नहीं जाता, उसे महसूस किया और जिया जाता है। उनकी ग़ज़लें समय की सीमाओं को पार कर आज भी लोगों को जोड़ती हैं, और यही साबित करती हैं कि सच्ची रचना कभी मरती नहीं–वह हमेशा अपने पाठकों के भीतर जीवित रहती है।

-प्रो. आरके जैन

असंगठित श्रमिकों के लिए सुनहरा अवसरः श्रम-योगी मानधन योजना से सुरक्षित करें बुढ़ापा

60 वर्ष की आयु के बाद मिलेगी 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन, सरकार भी देगी बराबर का योगदान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना श्रमिकों के लिए भविष्य सुरक्षित करने का बेहतर माध्यम बन रही है। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है।

श्रम पदाधिकारी देवास ने बताया कि योजना का लाभ असंगठित क्षेत्र के उन श्रमिकों को दिया जाता है, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये तक है और जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है। योजना में शामिल होने पर श्रमिक अपनी आयु के अनुसार प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक अंशदान जमा करता है। विशेष बात यह है कि श्रमिक जितना अंशदान करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके खाते में जमा करती है।

उन्होंने बताया कि योजना में रेहड़ी-पटरी विक्रेता, रिक्शा चालक, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, मजदूर एवं अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगार शामिल हो सकते हैं। इससे श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्राप्त होता है और आत्मनिर्भर जीवन जीने में सहायता मिलती है।

योजना की प्रमुख पात्रता

आयु 18 से 40 वर्ष के बीच हो।

मासिक आय 15 हजार रुपये से अधिक न हो।

आधार कार्ड एवं बैंक/जनधन खाता होना आवश्यक।

आयकरदाता न हो।

NPS, EPFO या ESIC जैसी अन्य वैधानिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का सदस्य न हो।

नामांकन की सरल प्रक्रिया- योजना में पंजीयन के लिए श्रमिक अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर आधार कार्ड और बैंक खाते की जानकारी देकर आवेदन कर सकते हैं। पंजीयन के समय नामिनी का नाम भी दर्ज कराया जा सकता है। पंजीकरण के बाद श्रमिक को श्रम योगी कार्ड प्रदान किया जाता है तथा मासिक अंशदान की जानकारी स्वतः उपलब्ध हो जाती है।

श्रमिकों से योजना का लाभ लेने की अपील- श्रम विभाग ने जिले के सभी पात्र असंगठित श्रमिकों से प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना से जुड़कर अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने तथा वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

आज का छोटा निवेश, कल की आर्थिक सुरक्षा – प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना श्रमिकों के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित भविष्य की गारंटी बन रही है।

कैमोर प्रदेश में नंबर-वन, विजयराघवगढ़ दूसरे स्थान पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सिटिजन फीडबैक के जरिए दोनों नगर परिषदों ने रचा इतिहास

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के राष्ट्रीय अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में जबलपुर संभाग के कटनी जिले की नगर परिषद कैमोर और विजयराघवगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान बना ली है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में सिटिजन फीडबैक (नागरिक प्रतिक्रिया) के मामले में वर्तमान स्थिति में कैमोर नगर परिषद मध्यप्रदेश में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

जबकि विजयराघवगढ़ ने दूसरा स्थान हासिल कर कटनी जिले को गौरवान्वित किया है। कैमोर नगर परिषद के 71.18 प्रतिशत नागरिकों अर्थात 13 हजार 769 लोगों ने ऑनलाइन सिटिजन फीडबैक दर्ज कराया है, जो कि 20 हजार की आबादी वाले नगर की श्रेणी में प्रदेश में सबसे अधिक है। वहीं नगर परिषद विजयराघवगढ़ के 63.64 प्रतिशत यानी 5 हजार 327 नागरिकों ने स्वच्छता के समर्थन में अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर शहर को प्रदेश में दूसरा स्थान दिलाया है।

यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की सफलता नहीं, बल्कि नागरिक जागरूकता, प्रशासनिक सक्रियता और स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई है। कलेक्टर की अपील बनी जनआंदोलन बीते दिनों कैमोर और विजयराघवगढ़ के दौरे पर पहुंचे कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता मित्रों और आम नागरिकों से संवाद कर अधिक से अधिक सिटिजन फीडबैक देने की अपील की थी। कलेक्टर ने स्वच्छ सर्वेक्षण को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि शहर की पहचान और नागरिक संस्कार से जुड़ा अभियान बताया था। प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने कैमोर में नालियों के पानी को ट्रीट कर पार्कों में पेड़-पौधों की सिंचाई तथा फाउंटेन संचालन के लिए विकसित की गई ग्रे-वाटर ट्रीटमेंट फेसिलिटी का अवलोकन भी किया। इसके साथ ही उन्होंने नगर के आकर्षक सौंदर्यीकरण, भित्ति चित्रकारी और आरआरआर पार्क निर्माण कार्यों की सराहना की।

नागरिकों की जागरूकता बनी ताकत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने जिले की नगर निगम कटनी सहित नगर परिषद कैमोर, विजयराघवगढ़ और बरही के नागरिकों से अपील की है कि 31 मई तक स्वच्छता से जुड़े।

तेज रफ्तार और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर परिवहन विभाग का शिकंजा

मई माह में 26 चालकों के लाइसेंस निलंबित, यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में मई माह के दौरान विभिन्न प्रकरणों का निराकरण करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 26 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए।

परिवहन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई मुख्य रूप से उन वाहन चालकों के विरुद्ध की गई, जो शहरी एवं व्यस्त मार्गों पर निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाते, शराब पीकर वाहन संचालन करते, सिग्नल जंप करते, नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करते तथा अन्य यातायात नियमों की अनदेखी करते पाए गए।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार निगरानी एवं कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन संचालन से बचने की अपील की।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त - परिवहन विभाग की इस कार्रवाई को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

युवा संगम कार्यक्रम निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 128 से अधिक युवाओं का किया गया प्रारंभिक चयन

विभिन्न विभागों के द्वारा इस माह 58 स्वरोजगारियों को किया गया लाभान्वित

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं विकास एवं रोजगार विभाग व ग्रामीण विकास विभाग द्वारा युवा संगम के तहत एक ही छत के नीचे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर माह निर्धारित दिवस को युवा संगम अंतर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में निर्धारित दिवस को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज गुरूवार को

शासकीय आईटीआई परिसर शिवपुरी में युवा संगम का कार्यक्रम आयोजित किया गया। निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 128 युवाओं का किया गया प्रारंभिक चयन जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि आज के कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की 10 कंपनियों द्वारा भाग लिया गया, जिसमें 234 युवक युवतियों द्वारा पंजीयन कराया गया। इस दौरान 128 आकांक्षी युवाओं का चयन हुआ उन्हें ऑफर लेटर प्रदान किये गये। विभिन्न विभागों के द्वारा इस माह 58 स्वरोजगारियों को किया गया लाभान्वित विभिन्न विभागों में संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वसहायता समूह, एवं संत रविदास स्वरोजगार योजना आदि के 58 स्वरोजगारियों को 1 करोड़ 57 लाख से अधिक का इस माह हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कराया गया।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कलेक्टर सख्त

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही एवं नियंत्रण के लिए संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। जांच के दौरान यह पाया गया है कि कुछ ट्रैक्टर एवं डम्पर बिना नंबर प्लेट, बिना वैध दस्तावेज एवं बिना अनुमति के रेत परिवहन कार्य में संलग्न होकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। आवश्यक दस्तावेज रखने के निर्देश परिवहन विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।समस्त ट्रैक्टर-डम्पर स्वामियों व चालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने वाहनों पर अनिवार्य रूप से मानकों के अनुसार स्पष्ट एवं वैध नम्बर प्लेट लगाएं। साथ ही संचालन के दौरान वाहन के समस्त वैध दस्तावेज जैसे पंजीयन प्रमाणपत्र, फिटनेस, बीमा, परमिट, प्रदूषण प्रमाणपत्र एवं चालक का ड्राइविंग लाइसेंस और रेत परिवहन में संलग्न वाहनों के पास वैध रॉयल्टी, परिवहन अनुमति दस्तावेज साथ रखें। नियम विरुद्ध संचालन पर होगी कार्यवाही जिले के विभिन्न मार्गों, चैक पोस्टों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में परिवहन विभाग, पुलिस विभाग , खनिज सहित जिला प्रशासन के संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई निरंतर जारी है। जांच के दौरान समस्त वैध दस्तावेजों तथा बिना टैक्स, ओवर लोडिंग अथवा नियम विरुद्ध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वाले ट्रैक्टर एवं डम्पर वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम और खनिज नियमों एवं अन्य प्रचलित प्रावधानों के तहत चालानी।

अवैध रेत भंडारण और परिवहन के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने डबरा तहसील के ग्राम गजापुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न सर्वे क्रमांकों पर अवैध रूप से भंडारित लगभग 5600 घन मीटर रेत जब्त की। प्रभारी खनिज अधिकारी श्री घनश्याम यादव ने बताया कि इसके साथ ही जिले में बिना रॉयल्टी के अवैध खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। आई-चेक गेट के माध्यम से 11 वाहनों के खिलाफ मध्यप्रदेश अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के तहत ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की गई। संबंधित वाहन चालकों को नोटिस जारी करते हुए कुल 17 लाख 73 हजार 900 रुपये जुर्माने की कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संदीप गंगराड़े बने जिला उपाध्यक्ष, जितेंद्र मारू को जिला महासचिव की जिम्मेदारी

आंचलिक पत्रकार संघ देवास की नई जिला कार्यकारिणी घोषित, पत्रकार हितों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आंचलिक पत्रकार संघ देवास की जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमेश टांक की अनुशंसा तथा प्रदेश सचिव राजेंद्र सिंह पंवार एवं संभागीय उपाध्यक्ष खुमान सिंह बैस की सहमति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

घोषित कार्यकारिणी में संदीप गंगराड़े (देवास) को जिला उपाध्यक्ष तथा जितेंद्र मारू (देवास) को जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। दोनों नियुक्तियों को संगठन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले दोनों पदाधिकारियों के मनोनयन पर जिलेभर के पत्रकारों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

जारी सूची के अनुसार राजू शाह (पुंजापुरा), शंकर सिंह तंवर (बागली), योगेश शर्मा (सतवास), दीपक शर्मा (सन्द्रेल) एवं राकेश पनवासी (हाटपिपल्या) को भी जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं जितेंद्र सिंगी (कांटाफोड़) को जिला सचिव, घनश्याम भदौरिया (सतवास) एवं जितेंद्र मारू (देवास) को महत्वपूर्ण संगठनात्मक दायित्व सौंपे गए हैं।

इसके अलावा ऋषि वर्मा (पुंजापुरा) को मीडिया प्रभारी तथा मनीष मालवीय (कांटाफोड़) को सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सदस्यता अभियान प्रभारी के रूप में हरीश जोशी, आशीष तिवारी एवं शैलेष तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है।

जिला अध्यक्ष शलभ गौरानी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी संगठन को नई दिशा और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी पदाधिकारी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से पत्रकार हितों की आवाज को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद जिलेभर के पत्रकार साथियों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों द्वारा सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं।

पदीय दायित्वों में लापरवाही बरतने वाले दो पटवारी निलंबित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता एवं आबादी सर्वे (स्वामित्व) योजना के कार्य में अत्यंत धीमी प्रगति पाए जाने पर दो पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कलेक्टर द्वारा जिले में लंबित आबादी सर्वे (स्वामित्व) प्रकरणों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि भितरवार अनुभाग के ग्राम गाजना में ड्रोन फ्लाई सर्वे एवं ग्राउंड ट्रुथिंग कार्य पूर्ण होने के बाद भी पटवारी श्री राजाराम आदिवासी द्वारा कुल 164 प्लॉटों में से केवल 18 प्लॉटों का आर.ओ.आर. कार्य किया गया। इसी प्रकार घाटीगांव अनुभाग के ग्राम बरई में पटवारी श्रीमती रिचा शर्मा द्वारा कुल 1480 प्लॉटों में से केवल 290 प्लॉटों का आर.ओ.आर. कार्य किया गया, जो अत्यंत न्यूनतम प्रगति दर्शाता है। समीक्षा में यह भी सामने आया कि शासन की महत्वपूर्ण आबादी सर्वे (स्वामित्व) योजना के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए समय-समय पर निर्देश दिए जाने के बावजूद संबंधित पटवारियों द्वारा कार्य के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई। संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा भी दोनों पटवारियों के कार्य को असंतोषजनक बताया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इसे म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत दोनों पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

देवास प्यासा, मांगलिया को पानी, 2.20 एमएलडी जलापूर्ति के फैसले पर शहर में सियासी भूचाल

सत्ता पक्ष ने ही खोला मोर्चा, सांसद से लेकर कांग्रेस तक विरोध में; प्रस्ताव रद्द कराने आज से हस्ताक्षर अभियान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खुद जल संकट से जूझ रहे देवास में ग्राम मांगलिया को प्रतिदिन 2.20 एमएलडी पानी देने के प्रस्ताव ने शहर की राजनीति में भूचाल ला दिया है। शहर के कई इलाकों में जहां दो से चार दिन के अंतराल से जल प्रदाय हो रहा है, वहीं नगर निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) द्वारा इंदौर जिले के ग्राम मांगलिया को पानी देने का प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस मुद्दे पर केवल विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ताधारी दल के नेता भी खुलकर विरोध में उतर आए हैं। भाजपा नेताओं ने फैसले को देवास के हितों के खिलाफ बताया है, जबकि सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने भी इस पर आपत्ति जताई है।

जल संकट के बीच फैसले पर सवाल- शहर में पहले से ही पेयजल व्यवस्था चरमराई हुई है। कई कॉलोनियों में तीन-चार दिन बाद पानी पहुंच रहा है। ऐसे में दूसरे क्षेत्र को पानी देने का प्रस्ताव सामने आते ही आमजन, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

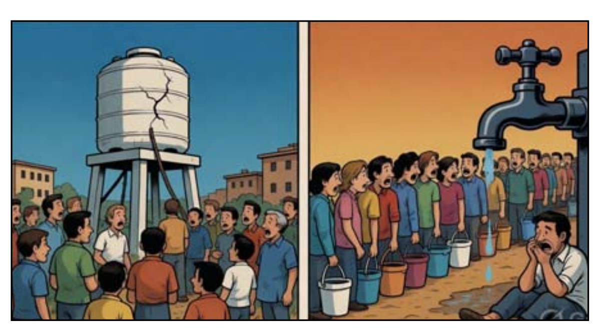

सामाजिक कार्यकर्ता ललित चव्हाण ने बताया कि मांगलिया और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के बीच वर्ष 2023 में अनुबंध हुआ था। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2024 में नगर निगम को पत्र लिखकर मांग की थी कि इस विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर व्यापक चर्चा की जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सांसद ने जताई आपत्ति- सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि यदि देवास के हिस्से का पानी किसी अन्य क्षेत्र को दिया जा रहा है तो यह गंभीर विषय है। देवास पहले से जल संकट झेल रहा है। ऐसे समय में ऐसा निर्णय शहरवासियों के हित में नहीं माना जा सकता।

सत्ता पक्ष ने भी घेरा- भाजपा नेता मनीष सेन ने प्रस्ताव की निंदा करते हुए कहा कि जब देवास को प्रतिदिन पानी उपलब्ध कराने की स्थिति नहीं है, तब दूसरे क्षेत्र को जलापूर्ति का निर्णय शहर की जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में इससे जल संकट और गहरा सकता है।

कांग्रेस ने साधा निशाना- शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गोतम तथा पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी ने भी इस निर्णय को जनविरोधी बताते हुए सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पहले देवास की प्यास बुझाई जाए, उसके बाद अन्य क्षेत्रों की चिंता की जाए।

आज से हस्ताक्षर अभियान- वरिष्ठ कांग्रेस नेता पं. रितेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रस्ताव निरस्त कराने की मांग को लेकर 28 मई से शहर में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर प्रस्ताव वापस लेने की मांग की जाएगी।

देवास में पानी के लिए हाहाकार, बाहर जलापूर्ति के प्रस्ताव पर बवाल- शहर में एक ओर लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं, दूसरी ओर मांगलिया को प्रतिदिन 2.20 एमएलडी पानी देने के प्रस्ताव ने जनप्रतिनिधियों और आमजन के बीच बहस छेड़ दी है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बढ़ते विरोध के बीच नगर निगम इस प्रस्ताव पर आगे क्या निर्णय लेता है।

पहले देवास की प्यास बुझाओ

मांगलिया जलापूर्ति प्रस्ताव के विरोध में अब जनमत तैयार किया जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का तर्क है कि जब तक देवास को नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो जाता, तब तक शहर के जल संसाधनों को दूसरे क्षेत्रों में देने का निर्णय उचित नहीं माना जा सकता।

माहवारी स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की जरूरत - कलेक्टर

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्लोबल माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, दतिया में महिला एवं बाल विकास विभाग दतिया द्वारा आयोजित एवं शक्ति शाली महिला संगठन समिति के तकनीकी सहयोग से बाला कार्यक्रम अंतर्गत माहवारी स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने कहा कि माहवारी स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अब समाज में खुलकर बात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बाला किट उन बालिकाओं एवं महिलाओं तक प्राथमिकता से पहुंचाई जाए जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि कम से कम 6 माह तक किट के उपयोग का नियमित फॉलोअप किया जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किट का सही तरीके से उपयोग हो रहा है या नहीं तथा उपयोगकर्ताओं को किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही। उन्होंने कहा कि जो भी मैदानी अमला 6 माह तक इस कार्य का गंभीरता से फॉलोअप करेगा, उसका कलेक्ट्रेट स्तर पर सम्मान किया जाएगा।

कलेक्टर श्री वानखड़े ने माहवारी स्वच्छता को सामाजिक जागरूकता का विषय बताते हुए सभी से इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करने एवं जागरूकता बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविंद उपाध्याय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वर्मा, मास्टर सीडीपीओ, बीएमओ, सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बाला कार्यक्रम के अंतर्गत दतिया जिले में मास्टर ट्रेनर्स श्रद्धा जादौन एवं पिंकी चौहान द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बाला किट के उपयोग, रखरखाव एवं उसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन जरूरतमंद बालिकाओं एवं महिलाओं को यह किट उपलब्ध कराई जानी चाहिए जो आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अधिक आवश्यकता में हैं।

जिले की जरूरतमंद महिलाएं 'शक्ति दीदी' बनकर लिख रहीं हैं महिला सशक्तिकरण की इबारत

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप हुए शक्ति दीदी नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाएँ पेट्रोल पंपो पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाल कर आत्मनिर्भर बन रहीं हैं । गुरुवार 28 मई को 6 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी बनी । जिले में अब तक 118 जरूरतमंद महिलायें शक्ति दीदी नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर हो चुकी हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को - रेसकोर्स रोड स्थित सैनिक फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप पर सुश्री गायत्री को और केसर फिलिंग स्टेशन पर सुश्री प्रवीणा को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने फूल मालायें पहनाकर शक्ति दीदियों का स्वागत किया। साथ ही शक्ति दीदी की जैकेट पहनाई।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शक्ति दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन व पुलिस आप सबकी मदद के लिये तत्पर है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालक को भी निर्देश दिए कि शक्ति दीदियों को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस मौके पर सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री राहुल पाठक एवं सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सौरभ जैन भी उपस्थित रहे।

इसी तरह जिले के विभिन्न अधिकारियों द्वारा बड़ागांव स्थित कामतानाथ फिलिंग स्टेशन पर सुश्री कल्पना, कम्पू स्थित सुविधा फ्यूल्स पर सुश्री सोनम व सुश्री संध्या एवं गोले का मंदिर स्थित इन्द्रप्रस्थ फिलिंग स्टेशन पर सुश्री अनुराधा को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी।

बदनावर के विद्यार्थियों को बड़ी सौगात, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आगामी सत्र से शुरू होगा कृषि संकाय, प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के ग्रामीण और किसान बाहुल्य परिवेश के विद्यार्थियों के लिए एक बेहद हर्षवर्धक और ऐतिहासिक खबर है। मध्य प्रदेश शासन, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार, स्थानीय सांदीपनि विद्यालय, शासकीय नंदराम चोपड़ा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बदनावर में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कृषि संकाय (एग्रीकल्चर विषय) की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस बड़ी उपलब्धि से अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा के लिए बाहर नहीं भटकना पड़ेगा।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य रियाजउद्दीन शेख ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शासन से स्वीकृति मिलने के बाद विद्यालय परिवार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही कक्षा 11वीं में कृषि संकाय के अंतर्गत नवीन प्रवेश प्रारंभ किए जा रहे हैं। प्राचार्य शेख ने क्षेत्र के विद्यार्थियों से अपील की है कि कक्षा 10वीं उत्तीर्ण जो भी इच्छुक छात्र-छात्राएं कक्षा 11वीं में एग्रीकल्चर विषय लेकर अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, वे अविलंब विद्यालय परिसर में संपर्क कर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

बदनावर और आसपास का पूरा क्षेत्र कृषि प्रधान है। ऐसे में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कृषि संकाय प्रारंभ होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं पालकों में भारी हर्ष का वातावरण देखा जा रहा है। अब तक इस विषय की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था या भारी-भरकम फीस चुकानी पड़ती थी, जिससे कई होनहार छात्र इस विषय को पढ़ने से वंचित रह जाते थे।

परंतु अब, स्थानीय स्तर पर ही विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उच्च और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा। यह निर्णय क्षेत्र के कृषि विकास और युवाओं के रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक सौगात हेतु बदनावर क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पालकों और विद्यार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय परिवार के प्रति सहृदय आभार व्यक्त किया गया है।

उत्कृष्ट विद्यालय के व्याख्याता प्रदीप पांडेय ने बताया कि कृषि संकाय की स्वीकृति मिलने के बाद से ही पालकों और विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने प्रवेश और विषय मार्गदर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की है ताकि ग्रामीण अंचल से आने वाले विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

पुरुषोत्तम मास में पद्मिनी एकादशी पर महिलाओं ने यमुना जी को ओढ़ाई चुनरी

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर पाडल्या रोड स्थित गोपाल गौशाला में गौसेवा ग्रुप महिला मंडल से जुड़ी महिलाओं द्वारा पद्मिनी एकादशी का पर्व श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने यमुना जी को चुनरी ओढ़ाकर पूजा-अर्चना की तथा भजन-कीर्तन एवं आरती के बाद गौसेवा भी की। कार्यक्रम में महिलाओं ने सामूहिक रूप से गौमाता की सेवा करते हुए हरा चारा, गुड़, लापसी एवं अन्य खाद्य सामग्री अर्पित की। उल्लेखनीय है कि गौसेवा ग्रुप की महिलाओं द्वारा विगत कई वर्षों से प्रत्येक माह की एकादशी पर गोपाल गौशाला में नियमित रूप से गौसेवा की जा रही है। गौसेवा से जुड़े प्रकाश मालपानी ने बताया कि शास्त्रों में गौमाता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है तथा निःस्वार्थ भाव से गौसेवा करने से पुण्य एवं सकारात्मक फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि परिवार में जन्मदिन, पुण्यतिथि, वैवाहिक वर्षगांठ, नवीन प्रतिष्ठान शुभारंभ, नवनिर्माण भवन अथवा अन्य विशेष अवसरों पर गोपाल गौशाला समिति से संपर्क कर गौसेवा अवश्य करें।

अतुल प्रकाश मालपानी का 23 सदस्यीय क्षेत्रीय कार्यसमिति में पुनः चयन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र, इंदौर में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों के पश्चात 71 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसके उपरांत क्षेत्रीय कार्यसमिति एवं जिला कार्यसमिति का निर्विरोध निर्वाचन भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समाज के लिए यह अत्यंत गौरव एवं हर्ष का विषय है कि नागदा माहेश्वरी समाज का मान बढ़ाते हुए अतुल प्रकाश मालपानी ने 23 सदस्यीय क्षेत्रीय कार्यसमिति में सदस्य के रूप में पुनः अपना स्थान प्राप्त किया। उनकी यह उपलब्धि समाज के प्रति उनकी सक्रियता, समर्पण एवं निरंतर सेवा भावना का परिचायक है। समाजजनों ने उनके चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मंडी में किसानों के बाद अब व्यापारी भी असुरक्षित

मनोहर जायसवाल पर प्राणघातक हमला, बंद कैमरों ने खोली सुरक्षा की पोल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी बदनावर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। यह परिसर अब न तो अपनी फसल बेचने आने वाले किसानों के लिए सुरक्षित बचा है और न ही यहाँ दिन-रात व्यापार करने वाले व्यापारियों के लिए। बुधवार सुबह सब्जी मंडी परिसर में हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरी मंडी को हिलाकर रख दिया है, जहाँ सब्जी मंडी के प्रतिष्ठित व्यापारी मनोहरलाल जायसवाल पर अज्ञात बदमाशों ने प्राणघातक हमला कर दिया। इस घटना के बाद से स्थानीय व्यापारियों और किसानों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह जब रोजाना की तरह मंडी में चहल-पहल शुरू हो रही थी, तभी अज्ञात असामाजिक तत्वों ने सब्जी व्यापारी मनोहरलाल जायसवाल को निशाना बनाया। बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ पत्थरों से हमला कर दिया। पत्थर सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में लगने के कारण मनोहरलाल जी गंभीर रूप से घायल हो गए। लहूलुहान हालत में उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

बदनावर मंडी प्रशासन की लापरवाही का यह कोई पहला मामला नहीं है। इस जानलेवा हमले ने पिछले वर्ष की उस दर्दनाक और खौफनाक वारदात की यादें ताजा कर दी हैं, जब मंडी परिसर में ही किसान राजेश पांचाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उस समय भी मंडी प्रबंधन की घोर लापरवाही और सुरक्षा खामियां खुलकर उजागर हुई थीं। बेहद शर्मनाक बात यह है कि एक किसान की जान जाने के बाद भी मंडी प्रशासन की नींद नहीं खुली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। नतीजतन, आज फिर एक व्यापारी को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी। इसके अलावा, पूर्व में भी कुछ लोगों ने मिलकर एक अन्य व्यापारी पर हमला किया था। बार-बार हो रही इन वारदातों से साफ है कि मंडी प्रशासन असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने और परिसर को सुरक्षित बनाने में पूरी तरह नाकाम रहा है।

जब तफ्तीश शुरू की, तो मंडी प्रबंधन की एक और बहुत बड़ी लापरवाही उजागर हुई। सुरक्षा के नाम पर मंडी में लाखों रुपये के जो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, वे वारदात के समय बंद पड़े थे। कैमरों के बंद होने की वजह से हमलावरों की पहचान करने में पुलिस को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह उठता है कि पिछले वर्ष किसान की हत्या जैसी बड़ी वारदात होने के बावजूद मंडी के कैमरे बंद क्यों थे? क्या मंडी प्रशासन किसी और बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा था?

इस जानलेवा हमले के बाद मंडी के व्यापारियों और किसान संगठनों में प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि एक तरफ किसान राजेश पांचाल की हत्या के बाद से ही किसान मंडी में अपनी उपज लेकर आने में खौफ महसूस कर रहे हैं। दूसरी तरफ अब व्यापारी भी परिसर के भीतर खुद को पूरी तरह असुरक्षित पा रहे हैं। अगर मंडी परिसर के भीतर ही अन्नदाता और व्यापारी सुरक्षित नहीं हैं, तो बदनावर की इस कृषि उपज मंडी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।

छात्र-छात्राओं ने प्रसिद्ध धार भोजशाला में मां सरस्वती का दर्शन लाभ लिया

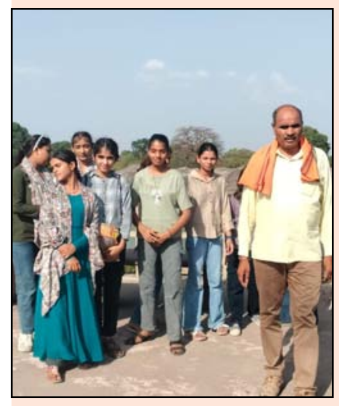

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाई कोर्ट द्वारा मां सरस्वती मंदिर को लेकर फैसला दिए जाने के बाद प्रसिद्ध धार भोजशाला में श्रद्धालुओं का पहुंचना लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में नगर सलसलाई के छात्र-छात्राएं भी मां सरस्वती के दर्शन के लिए धार भोजशाला पहुंचे। छात्र-छात्राओं ने भोजशाला पहुंचकर मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा परिसर का भ्रमण कर ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने कहा कि मां सरस्वती विद्या की देवी हैं और उनके दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। भक्तों ने हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त किया। नगर सलसलाई के महाराणा प्रताप स्कूल के संचालक प्रकाश मेवाड़ा ने बताया कि धार धाम पहुंचकर मन अत्यंत प्रसन्न हो गया तथा विद्यार्थियों को धार्मिक एवं ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त हुई।

करुणा दिवस पर बडनगर में हुए 150 से अधिक आयंबिल तप

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अहिंसा धर्म का मूल मंत्र है, सच्चा धर्म अहिंसा,जीवदया की नीव पर टिकता है परमात्मा ने हिंसा को महापाप बताया है।जहाँ हिंसा है वहा धर्म नहीं केवल धर्म के नाम पर महापाप है कोई भी विद्वान एवं मनीषी हिंसा का समर्थन नहीं करता है, बल्कि अहिंसा धर्म का पालन करने का संदेश देता है वही सही मायनो मे सच्चा धर्म है जिसे अपनाकर अनंत आत्माए शुद्ध बुद्ध बनी है हिंसा, मानव सभ्यता एवं संस्कृति के विरुद्ध गलत कार्य है। आज हिंसा की बढ़ती प्रवर्तियों की वजह से प्रकृति अपना संतुलन खो बैठी है सम्पूर्ण विश्व मे अशांति महामारी है नफरते बढ़ती जा रही है अनेक देशों का अस्तित्व संकट मे आ चूका है विश्व करुणा दिवस पर जैन समाज ने मूक प्राणियों की आत्म शांति के लिए करुणा दिवस मनाते हुए सामूहिक आयंबिल तप का आयोजन रखा गया स्थानीय राजेंद्र सूरी जैन मांगलिक भवन में 150 से अधिक धर्मालूजन द्वारा मूक पशुओं के आत्म शांति की प्रार्थना करते हुए आयंबिल तप किया इस तप में बिना तेल घी नमक का भौजन एक समय एक स्थान पर बैठकर करना होता है एवं गर्म जल पीना होता हे राजकुमार नाहर ने बताया कि सभी धर्मालुजन द्वारा नवकार महामंत्र का स्मरण करते हुए मूक प्राणियों के आत्म शांति के लिए प्रार्थना की गई

सहयोगियों की अनुमोदना- इस आयोजन में अनेक महिला एवं पुरुषों द्वारा भीषण गर्मी में अपना समर्पण देते हुए व्यवस्था में सहयोगी बने आयंबिल समिति सहित सभी सहयोगियों की सभी ने भूरी भूरी अनुमोदना की अंत में प्रभावना वितरित की गई।

दत्तीगांव ट्रॉफी में रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी, दूधिया रोशनी में क्रिकेट का रोमांच देखने उमड़ रही भीड़

सच्चा खिलाड़ी वही होता है जो हर परिस्थिति में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देता है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शासकीय नंदराम चोपड़ा विद्यालय मैदान पर स्व. प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट दत्तीगांव ट्रॉफी को लेकर खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिदिन रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं, जिन्हें देखने बड़ी संख्या में दर्शक मैदान पहुंच रहे हैं। दूधिया रोशनी में हो रहे मुकाबलों ने आयोजन को और आकर्षक बना दिया है।

आयोजन के दूसरे दिन पहला मुकाबला सांई सरकार चौपाटी इलेवन और टेलेंट क्लब बदनावर के बीच खेला गया। मैच के पूर्व अतिथि के रूप में उपस्थित आर्यव्रत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, स्वतंत्र प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार पुरुषोत्तम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार महेश पाटीदार, राकेशसिंह चौहान, दिलीपसिंह चौहान, प्रदीप पंवार, नारायण मकवाना, आशीष परमार, सचित बाहेती एवं राजू भजभिए ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस करवाया।

सांई सरकार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। टेलेंट क्लब ने निर्धारित 10 ओवर में 5 विकेट खोकर 99 रन बनाए। जवाब में सांई सरकार के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में ही 4 विकेट खोकर 103 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच में स्वेतराजसिंह को मेन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मुकाबला कारोदा इलेवन और मिक्स इलेवन के बीच खेला गया। महांकाल मंडल न्यास अध्यक्ष प्रजेंद्र भट्ट, संयोजक मनीष ठाकुर, महेश शर्मा एवं मंडल सदस्यों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया। मिक्स इलेवन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। कारोदा इलेवन ने 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मिक्स इलेवन ने 7 ओवर 3 गेंद में 2 विकेट खोकर 79 रन बनाते हुए मुकाबला जीत लिया। इस मैच में वीरेंद्रसिंह डोडिया को मेन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

इसके बाद क्वार्टर दौर का मुकाबला सांई सरकार इलेवन और मिक्स इलेवन के बीच खेला गया। अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट उपस्थित रहे। सांई सरकार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 76 रन बनाए। जवाब में मिक्स इलेवन ने केवल 5 ओवर 2 गेंद में 4 विकेट खोकर 77 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच में भी वीरेंद्रसिंह डोडिया मेन ऑफ द मैच रहे।

मंचीय कार्यक्रम के दौरान धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल भावना, अनुशासन और भाईचारे का यह आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि टीमवर्क, संघर्ष, धैर्य और नेतृत्व का प्रतीक है।युवाओं को खेलों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हार और जीत जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन सच्चा खिलाड़ी वही होता है जो हर परिस्थिति में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देता है। आयोजक समिति के सन्तोष राव, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, पंकज ठाकुर, विजय गोयल, अखिलेश शर्मा, राकेश शर्मा, राधेश्याम हारोड़, चेतन प्रजापत, अंशुमन जोशी आदि ने अतिथियो का स्वागत किया। संचालन मनोज सोलंकी कवि ने किया।

10 दिवसीय इस क्रिकेट महाकुंभ के तहत मैदान पर आकर्षक विद्युत व्यवस्था की गई है। रोज बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने मैदान पहुंच रहे हैं। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 4 जून को खेला जाएगा।

राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक ने सीहोर में की अभियानों की प्रगति की समीक्षा

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक भोपाल के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव द्वारा सीहोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित में सहकारिता, ऊर्जा संरक्षण, सदस्यता महाअभियान एवं हरित सहकार अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस अवसर उन्होंने वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र हित में नागरिकों से किए गए ईंधन बचाओङ्कऊर्जा बचाओ के आह्वान का उल्लेख करते हुए सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ऊर्जा संरक्षण हेतु सक्रिय सहभागिता की अपील की। साथ ही वोकल फॉर लोकल अभियान को बढ़ावा देने एवं स्थानीय उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत बैंक मुख्यालय एवं पैक्स स्तर पर पौधरोपण के लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर हरित सहकार अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा शुरू किए गए किसान कल्याण वर्ष 2026 के अन्तर्गत 14 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक चलाए जा रहे सदस्यता महा अभियान में अधिक से अधिक किसानो को सहकारी समितियों का सदस्य बनाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही बी-पैक्स संस्थाओं की वार्षिक आमसभा में चयनित सदस्य किसानों को सम्मानित करने का सुझाव भी दिया।

इस दौरान विधायक श्री सुदेश राय, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सीताराम यादव, सीहोर सहकारी बैंक सीईओ श्री सौरभ जूनवाल, श्री विजय राठौर एवं स्टॉफ उपस्थित था।

आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय हुए किसानों से रूबरू, समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

बडावदा/प्रवीन व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय ने बड़ावदा मंडल के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर किसानों एवं ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया। विधायक के गांवों में पहुंचने पर किसानों एवं ग्रामीणों ने उनका स्वागत करते हुए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

विधायक डॉ. मालवीय ने बड़ावदा, रेवास, भूतेड़ा, उपलाई, सरसी, डोडियाना एवं केरवासा सहित कई ग्रामों में पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर शोक संवेदनाएं भी व्यक्त कीं तथा क्षेत्र में निर्माणाधीन शासकीय भवनों का निरीक्षण कर कार्यों की जानकारी ली।

दौरे के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शंभूलाल चंद्रवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. हेमराज हाड़ा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दादू केरवासा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सौरभ हिंगड़, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र काकाणी, समरथ पाटीदार, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष शिवनारायण धाकड़, जनपद सदस्य कैलाश गोस्वामी, दुर्गालाल अटोलिया, कैलाश मालवीय, ईश्वर सेन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंच, भाजपा कार्यकर्ता, वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीपी भाईजी निर्विरोध अध्यक्ष बने, समाज ने खरीदी 4 बीघा जमीन

सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज की सभा में 6.50 लाख से अधिक दान की घोषणाएं

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज बड़नगर की साधारण सभा डायवर्शन मार्ग स्थित शंकर बावड़ी परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं ने एकमत से डीपी भाईजी को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया।

सभा की अध्यक्षता भेरूलाल पटेल ने की। कार्यक्रम की शुरुआत आराध्यदेव भगवान गोविन्द माधव एवं भगवान परशुराम के चित्रों पर दीप प्रज्वलन से हुई। सचिव मनीष पंड्या ने वार्षिक आय-व्यय प्रस्तुत किया, जबकि सुभाष पंड्या ने स्वागत भाषण दिया।

हाईवे पर खरीदी जमीन- समाज ने उज्जैन-बड़नगर नेशनल हाईवे पर करीब चार बीघा भूमि खरीदकर भविष्य के विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया।

दान की झड़ी-सभा में समाजजनों ने खुलकर दान की घोषणाएं कीं-

डीपी भाईजी - 1,11,000

मनीष पंड्या - 1,00,000

भारद्वाज परिवार - 2,00,000

नवलसिंह पंड्या - 1,00,000

अन्य समाजजन - 51,000-?51,000

कुल मिलाकर 6.50 लाख रुपए से अधिक की राशि समाज को प्राप्त हुई।

अध्यक्ष का संकल्प- नव निर्वाचित अध्यक्ष डीपी भाईजी ने कहा कि वे शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे और समाज के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

गणमान्यजनों की उपस्थिति- सभा में विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या सहित अनेक समाजजन एवं पूर्व पदाधिकारी उपस्थित रहे और समाज के विकास पर अपने विचार रखे।

स्वदेशी जागरण मंच का एक दिवसीय 'विभाग विचार वर्ग' बदनावर में संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय बदनावर में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय विभाग विचार वर्ग का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 100 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर स्वदेशी और स्वावलंबन के मंत्र को आत्मसात किया।

भव्य शुभारंभ- कार्यक्रम का श्रीगणेश मुख्य अतिथियों द्वारा मां भारती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रांत पूर्णकालिक हेमंत रावत, प्रांत सह संयोजक दिलीप सिंह चौहान, विभाग कार्यवाह अरविंद चौधरी एवं विभाग संयोजक श्रवण गौर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सात वैचारिक सत्रों में हुआ मंथन- विचार वर्ग को सात विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसमें विशेषज्ञों ने स्वदेशी के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला-

प्रथम सत्र- दिलीप सिंह चौहान ने स्वदेशी की विकास यात्रा एवं आयाम विषय पर मार्गदर्शन दिया।

द्वितीय सत्र- दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का जीवन एवं विचार विषय पर अरविंद चौधरी ने विचार रखे। अध्यक्षता अनोखी लाल गुर्जर ने की।

तृतीय सत्र- जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र की भूमिका पर बलराम बैरागी ने जानकारी दी। अध्यक्षता हुकुम सोलंकी ने की।

चतुर्थ सत्र- शहीद बाबू गेनू का बलिदान एवं स्वदेशी चेतना पर कन्हैया लाल गुर्जर ने व्याख्यान दिया। अध्यक्षता श्रीमती नेहा भूपेंद्र शर्मा ने की।

पंचम सत्र- श्रवण गौर ने स्वदेशी मेला- उद्देश्य एवं समाज सहभागिता पर चर्चा की। अध्यक्षता कालू सिंह राठौड़ ने की।

षष्ठम सत्र- स्वावलंबी भारत अभियान एवं ऊर्जा में आत्मनिर्भरता पर हेमंत रावत ने जोर दिया। अध्यक्षता बगदीराम धाकड़ ने की।

सप्तम सत्र- अंतिम सत्र में प्रांत प्रौढ़ कार्य प्रमुख डॉ. रामगोपाल वर्मा ने कार्यकर्ता व्यवहार एवं संगठनात्मक आचरण पर प्रशिक्षण दिया। अध्यक्षता शेखर यादव एवं विवेक पाटीदार ने की।

इनका रहा विशेष सहयोग- कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यवस्था टोली के सदस्य जितेंद्र शर्मा (तहसील संयोजक), आकाश मुकाती, बालाराम चौहान, विनोद चौधरी, दीपक गुर्जर, अरविंद कछावा, श्रीमती मंजु लिटोरिया और मोहित पाटीदार का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का कुशल संचालन आकाश मुकाती द्वारा किया गया।

नौतपा की तपिश से पिघलने लगी सड़कें, नवोदय स्कूल के सामने सड़क का डामर उखड़ा

भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों के साथ सड़कें भी बेहाल

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नौतपा की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह से ही सूरज आग उगलता नजर आ रहा है और दोपहर के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। गर्मी का असर अब केवल लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सड़कों पर भी दिखाई देने लगा है। आगर रोड स्थित नवोदय विद्यालय के सामने सड़क पर बिछा डामर तेज गर्मी के कारण पिघलकर ऊपर आने लगा है। जिससे सड़क की हालत खराब हो गई है।

सोमवार को क्षेत्र में नौतपा के पहले ही दिन भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। दोपहर के समय तापमान बढ़ने के साथ सड़क की सतह नरम पड़ गई और कई स्थानों पर डामर उखड़कर ऊपर दिखाई देने लगा। सड़क पर छोटे-छोटे उभार बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति खतरे का कारण बन सकती है। तेज गर्मी के कारण सड़क पर फिसलन जैसी स्थिति भी बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में सड़कें प्रभावित होती हैं, लेकिन इस बार नौतपा की शुरुआत में ही सड़क की परत उखड़ना शुरू हो गई है। लोगों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि सड़क निर्माण बेहतर तरीके से किया गया होता तो इतनी जल्दी सड़क खराब नहीं होती।

नौतपा के चलते नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में दिनभर लू जैसे हालात बने रहे। दोपहर के समय बाजारों और मुख्य मार्गों पर सन्नाटा दिखाई दिया। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। गर्म हवाओं के कारण राहगीर सिर पर कपड़ा रखकर चलते नजर आए। वहीं कई लोग पेड़ों और दुकानों की छांव में राहत तलाशते दिखाई दिए।

भीषण गर्मी का असर बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। बढ़ती बिजली खपत के कारण कई क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या बनी रही। वहीं ठंडे पेय पदार्थों, गन्ने के रस, आइसक्रीम और फलों के जूस की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखने को मिली।

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से खराब हो रही सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो और लोगों को राहत मिल सके।

अमन-चैन और देश की तरक्की की दुआओं के साथ अदा हुई ईदुज़ुहा की नमाज

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर सहित क्षेत्रभर में गुरुवार को ईदुजुहा (बकरीद) का पर्व हर्षोल्लास एवं भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह इतवारिया क्षेत्र स्थित ईदगाह पर मुस्लिम समाजजनों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद देश की तरक्की, खुशहाली, हिफाजत और अमन-चैन के लिए विशेष दुआ मांगी गई।

काजी नवाब खान ने नमाज अदा कराई। नमाज के उपरांत मुस्लिम समाजजनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर में सुबह से ही उत्साह का माहौल बना रहा। बच्चों और युवाओं में पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

इस्लामिक मान्यता के अनुसार ईदुजुहा हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाई जाती है। इस अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा अल्लाह की रजा के लिए कुर्बानी दी जाती है तथा जरूरतमंदों की मदद कर भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया जाता है।

ईदगाह परिसर में नगर परिषद द्वारा स्वागत पंडाल लगाया गया था, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुस्लिम समाजजनों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधायक भेरूसिंह परिहार बापु, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, एसडीओपी देवनारायण यादव, थाना प्रभारी अक्षय सिंह बैंस, सीएमओ ओपी नागर, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, आशिक हुसैन बोहरा, विष्णु पाटीदार, बाबूलाल बंसिया, अर्जुनसिंह गोपालपुरा, फखरुद्दीन बोहरा, राकेश कानुड़िया, युगलकिशोर परमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सीहोर जिले में खाद्यान्न आवंटन एवं वितरण में उत्कृष्ट कार्य

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत खाद्यान्न आवंटन उठाव एवं वितरण कार्य में लगातार बेहतर प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। वर्ष 2026 के मई एवं जून माह के लिए जिले में खाद्यान्न उठाव का कार्य लगभग 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया है।

खाद्य विभाग द्वारा बताया गया कि मई 2026 में जिले को कुल 5666.59 मेट्रिक टन खाद्यान्न आवंटित किया गया था, जिसके विरुद्ध 5658.87 मेट्रिक टन खाद्यान्न का उठाव किया गया। वहीं जून 2026 के लिए आवंटित 5666.59 मेट्रिक टन खाद्यान्न का शत-प्रतिशत उठाव किया गया।

वितरण व्यवस्था में भी जिले ने बेहतर कार्य किया है। मार्च-अप्रैल 2026 में जिले के 2 लाख 33 हजार 249 पात्र परिवारों में से 2 लाख 25 हजार 38 परिवारों को खाद्यान्न वितरित किया गया, जो 96 प्रतिशत वितरण रहा। वहीं मई-जून 2026 में 2 लाख 34 हजार 59 परिवारों में से 2 लाख 11 हजार 357 परिवारों को खाद्यान्न वितरण किया गया, जो लगभग 90 प्रतिशत रहा। जिले की सभी तहसीलों आष्टा, बुधनी, इछावर, भैरूंदा एवं सीहोर में खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन उपलब्ध हो रहा है।

आर एस दांगी ने रचा इतिहास, भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों को पिलाया पानी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के नीमच जिले के बघाना पुलिस थाना में पदस्थ थाना प्रभारी आर. एस. दांगी अपने उत्कृष्ट कार्यों एवं जनहितकारी पहल के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए थाना प्रभारी दांगी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पशु-पक्षियों के लिए पानी की विशेष व्यवस्था कर मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है।

थाना परिसर सहित क्षेत्र के कई धार्मिक स्थलों पर पशुओं के लिए पानी की टंकियां एवं ठेल लगवाई गई हैं। वहीं पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पेड़ों पर सकुरे बांधकर पानी की व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी स्वयं पेड़ों पर चढ़कर सकुरे बांधते नजर आए, जिससे पक्षी आसानी से पानी पी सकें।

श्री दांगी की इस सराहनीय पहल को लेकर बघाना नगर सहित पूरे क्षेत्र में लोग उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। इससे पहले भी उनके बंदरों एवं गाय माता की सेवा करते हुए कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। गौरतलब है कि आर. एस. दांगी पूर्व में शाजापुर जिले के विभिन्न पुलिस थानों में पदस्थ रह चुके हैं, जहां उन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे एक दबंग एवं ईमानदार पुलिस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं। अपराधियों और असामाजिक तत्वों में उनके नाम का भय बना रहता है। थाना प्रभारी दांगी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं तथा निष्पक्ष कार्रवाई के लिए दोनों पक्षों की बात सुनकर उचित निर्णय लेते हैं। कई पारिवारिक एवं जमीन विवादों का उन्होंने आपसी सहमति से समाधान भी करवाया है। क्षेत्र में शांति, सौहार्द और भाईचारा बना रहे, इसी उद्देश्य को लेकर वे निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें विभाग द्वारा कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है।

मौत की धमकी देकर हड़पी जमीन की रकम, आरोपी गिरफ्तार

दादागिरी और धमकियों से पीड़ित नहीं कर पा रहे थे शिकायत, पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जिले में अपराधियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत बड़नगर पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो मृत्यु का भय दिखाकर जमीन के पैसे हड़पने और दादागिरी करने के लिए कुख्यात था। आरोपी मनोज पिता नारायण चावड़ा (38 वर्ष), निवासी अमला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आलोक कुमार शर्मा तथा एसडीओपी बड़नगर महेन्द्र सिंह परमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार व उनकी टीम द्वारा की गई।

घटना का विवरण- प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादी हितेश पिता नंदकिशोर सोनी (35 वर्ष), निवासी संत तुकाराम पथ, बड़नगर ने दिनांक 27 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 7~30 बजे अमला रोड स्थित शासकीय कॉलेज के पास आरोपी मनोज चावड़ा से मुलाकात हुई।

फरियादी ने आरोपी से उसकी मां द्वारा खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री कराने को कहा, जिस पर आरोपी भड़क गया। उसने रजिस्ट्री से साफ इनकार करते हुए पैसे लौटाने से भी मना कर दिया और अश्लील गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी ने खुद को इलाके का दादा बताते हुए कहा कि अगर रजिस्ट्री की बात दोबारा की तो जान से खत्म कर देगा। साथ ही उसने अतिरिक्त पैसे देने की भी मांग की।

मामला दर्ज कर की कार्यवाही- फरियादी की शिकायत पर थाना बड़नगर में अपराध क्रमांक 323/2026, धारा 308(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सोभाग सिंह पंवार, सहायक उपनिरीक्षक गोवर्धन दास बैरागी, प्रधान आरक्षक राहुल सिंह राठौर, हेमराज खरे, आरक्षक शोभित शुक्ला, महेश मोर्य, नारायण सरा, मनोज बैरागी, अजय चौहान, कैलाश गरवाल, तोलाराम डोडीयार, अश्विन पाठक, सैनिक गोरधन डाबी एवं अश्विन नरवरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भोपाल में 23 जून को जनपरिषद का 37वां राष्ट्रीय समारोह

सम्मान समारोह बनेगा आकर्षण, देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अग्रणी सामाजिक संस्था जनपरिषद का 37वां वार्षिक समारोह आगामी 23 जून को राजधानी भोपाल में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान भी किया जाएगा।

जनपरिषद के संभागीय उपाध्यक्ष प्रेमचंद द्वितीय एवं बड़नगर चैप्टर अध्यक्ष ललित सर्राफ ने बताया कि समारोह को इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्वरूप दिया गया है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन. के. त्रिपाठी तथा महासचिव अजय श्रीवास्तव (नीलू) के अनुसार, कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय विषयों के प्रख्यात विद्वान दीपक बोहरा की उपस्थिति सुनिश्चित हो चुकी है।

इसके साथ ही समारोह में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव एवं एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अनुपम राजन जैसे विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

राष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता- परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं महासचिव अजय श्रीवास्तव (नीलू) ने जानकारी दी कि इस आयोजन में देश-विदेश के विभिन्न चैप्टरों से 200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिससे यह समारोह व्यापक स्तर पर संवाद और विचार-विमर्श का मंच बनेगा।

सम्मान समारोह रहेगा मुख्य आकर्षण- समारोह का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहेगा, जिसमें समाज, प्रशासन, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा।

यात्री बसों एवं डंपरों पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई, 8 वाहनों से वसूला गया 95 हजार 500 रुपये शमन शुल्क

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। परिवहन आयुक्त द्वारा यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की सघन जांच सुनिश्चित करने हेतु जारी निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग विदिशा द्वारा गुरुवार को अशोकनगर रोड पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा द्वारा किया गया।

जांच अभियान के दौरान यात्री बसों एवं डंपर वाहनों की गहन जांच की गई। परिवहन विभाग की टीम ने वाहनों के दस्तावेज, फिटनेस, परमिट, सुरक्षा उपकरणों सहित अन्य आवश्यक मानकों का परीक्षण किया। जांच में कई वाहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए।

कार्रवाई के दौरान कुल 08 वाहन नियम विरुद्ध संचालित होते पाए जाने पर उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। संबंधित वाहन चालकों एवं संचालकों से कुल 95 हजार 500 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा ने बताया कि यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बसों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। साथ ही भारी वाहनों, विशेषकर डंपरों की भी नियमित जांच की जा रही है ताकि सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

उन्होंने वाहन संचालकों से अपील की कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो।

खरीफ 2026 की तैयारी तेज, जिले में 3.70 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन बोवनी का अनुमान

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ वर्ष 2026 को लेकर जिले में कृषि विभाग द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस वर्ष जिले में लगभग 3 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन बोवनी का अनुमान लगाया गया है। अनुमानित रकबे को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए लगभग 80 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज की आवश्यकता निर्धारित की गई है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने हेतु शासकीय एवं निजी स्तर पर पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में राष्ट्रीय बीज निगम , बीज निगम, बीज संघ तथा किसान उत्पादक संगठन के पास लगभग 50 हजार क्विंटल सोयाबीन बीज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जिले के निजी बीज विक्रेताओं एवं डीलरों के पास करीब 35 हजार क्विंटल बीज का भंडारण मौजूद है। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध बीज की मात्रा जिले की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त है तथा किसानों को समय पर बीज वितरण सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को प्रमाणित एवं उन्नत किस्म के बीज उपयोग करने की सलाह दी जा रही है ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। विभागीय अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही बीज क्रय करें तथा बीज खरीदते समय बिल एवं टैग अवश्य प्राप्त करें। साथ ही बोवनी पूर्व बीजोपचार अपनाने एवं मौसम अनुकूल कृषि कार्य करने की सलाह भी दी गई है। खरीफ सीजन को सफल बनाने के लिए जिले में बीज उपलब्धता, उर्वरक वितरण एवं कृषि आदानों की सतत समीक्षा की जा रही है।

तालाब में अवैध उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, जेसीबी मशीन जब्त

रात के अंधेरे में चल रहा था मिट्टी खनन, पुलिस पहुंचते ही ट्रैक्टर चालक फरार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत भाटपचलाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तालाब में हो रहे अवैध उत्खनन को पकड़ा और मौके से एक जेसीबी मशीन जब्त की। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा तथा एसडीओपी खाचरौद श्रीमति आकांक्षा बेछोटे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी व उनकी टीम द्वारा की गई।

मुखबिर की सूचना बनी कार्रवाई का आधार- दिनांक 27 मई 2026 की रात करीब 10 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम अंतलवासा के तालाब में जेसीबी मशीन से अवैध रूप से मिट्टी का उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने तत्काल टीम गठित कर मौके पर दबिश दी।

मौके पर चल रहा था अवैध खनन- पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो बिना नंबर की जेसीबी मशीन से तालाब की मिट्टी खोदकर ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरी जा रही थी। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर फरार हो गए, जबकि जेसीबी ऑपरेटर को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

अनुमति नहीं, मशीन जब्त- पकड़े गए चालक विनोद पिता गिरधारीलाल राठौर (26), निवासी लुनेरा जिला रतलाम ने बताया कि जेसीबी मशीन राकेश प्रजापत की है। जांच में पाया गया कि उत्खनन और परिवहन के लिए कोई वैध अनुमति नहीं थी। पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाकर जेसीबी मशीन जब्त कर ली और आगे की कार्रवाई हेतु खनिज विभाग उज्जैन को सूचित किया।

अहम भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सतेन्द्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक परमिंदर यादव, हरिगोविंद सिंह, आरक्षक हितेश निम्बोला, जीवन जाट, सैनिक अजय पाल की सराहनीय भूमिका रही।

श्रम प्रहरी बन अपंजीकृत संस्थानों की जानकारी देकर श्रमिक कल्याण में करें योगदान

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दे सूचना बड़वानी 28 मई 2026/ श्रमिकों को सुरक्षित कार्यदशाएं और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आम नागरिक श्रम प्रहरी के रूप में आगे आकर अपंजीकृत संस्थानों और निर्माण स्थलों की गोपनीय सूचना दे सकते हैं, जिससे श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक सुचारू रूप से पहुँचाया जा सके। श्रमिकों के हितों के संरक्षण और कार्यस्थल पर उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी संस्थानों एवं निर्माण स्थलों का श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन होना अनिवार्य है, पंजीकरण न होने की स्थिति में श्रमिक सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। श्रम विभाग द्वारा कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए वर्तमान में संचालित व पंजीकृत निर्माण कार्यों, अति-खतरनाक और अन्य कारखानों की ऑनलाइन सूची विभाग के आधिकारिक पोर्टल द्यड्डढ्ढशह्वह्म्.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ पर सार्वजनिक कर दी गई है। आम नागरिक इस पोर्टल पर जाकर पंजीकृत संस्थानों की जांच कर सकते हैं और यदि कोई भी संस्थान या निर्माण स्थल अपंजीकृत पाया जाता है, तो वे श्रम प्रहरी की भूमिका निभाते हुए इसकी सूचना टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर दे सकते हैं।

कलयुग में भगवत भक्ति ही जीव के कल्याण का सरल और श्रेष्ठ मार्ग है- पूज्य आरती त्रिपाठी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वेद, पुराण और महाभारत की रचना करने के पश्चात भी जब व्यास जी के हृदय को शांति प्राप्त नहीं हुई, तब देवर्षि नारद ने उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की निष्काम भक्ति और दिव्य लीलाओं का वर्णन करने का उपदेश दिया। उसी प्रेरणा से व्यास जी ने श्रीमद्भागवत महापुराण की रचना की, जो कलियुग में जीवों के उद्धार का श्रेष्ठ साधन माना गया है। उक्त विचार राधाकृष्ण मन्दिर मे जांगडा पोरवाल समाज द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत गीता के द्वितीय दिवस में गुरुवार को कथा प्रवक्ता पूज्य आरती त्रिपाठी ने व्यासपीठ से व्यक्त किये। कथा में ज्ञान और वैराग्य के प्रकट होने का अत्यंत मार्मिक प्रसंग बताते हुए उन्होने कहा कि भक्तिरूपी माता के साथ ज्ञान और वैराग्य वृद्ध एवं दुर्बल हो गए थे, क्योंकि कलियुग में लोग भक्ति से दूर होकर विषय-विकारों में आसक्त हो गए हैं। जब सनकादिक ऋषियों द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का अमृत श्रवण कराया गया, तब ज्ञान और वैराग्य पुनः युवा और जाग्रत हो उठे।

इस प्रसंग से यह संदेश प्राप्त हुआ कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीव के हृदय को निर्मल करने वाली दिव्य गंगा है। इसके श्रवण से मन में भक्ति जाग्रत होती है, ज्ञान प्रकाशित होता है और वैराग्य अपने आप प्रकट होने लगता है। कलियुग में भगवत भक्ति ही जीव के कल्याण का सरल और श्रेष्ठ मार्ग है। सरस एवं भक्ति भाव से ओतप्रोत इस कथा को श्रवण करने के लिए समाजजन, नगर के श्रद्धालु भक्तजन आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अविनाश विपट एवं राजेश परमार ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।आज के पूजन एवं आरती के लाभार्थी घनश्याम उच्छबलाल का पोरवाल परिवार थे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अमलतास, गुलमोहर और पलाश से सजेंगे उज्जैन के नए मार्ग

सात दिन में मांगा पौधारोपण का पूरा प्लान-274 किमी सड़कें बनेंगी ग्रीन कॉरिडोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ को ग्रीन सिंहस्थ की थीम पर आयोजित करने के लिए शहर में बन रही नई सड़कें, पंचक्रोशी मार्ग, शिप्रा घाट और सिंहस्थ क्षेत्र को हरियाली और फूलदार पौधों से सजाने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत 274 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के दोनों किनारों और कई स्थानों पर बीच के हिस्से में भी बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा।

आगामी सिंहस्थ महापर्व को हरा भरा बनाने के लिए सिंहस्थ मेला कार्यालय में बुधवार को संभागायुक्त ने बैठक रखी। इसमें सभी विभागों को अगले सात दिन में पौधारोपण के लिए स्थान चिन्हित कर विस्तृत प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को शहर में हर तरफ हरियाली और फूलों से सजे मार्ग दिखाई दें, इसके लिए अभी से तैयारी की जाए। नई सड़कों के दोनों ओर दो से ढाई मीटर चौड़ी पट्टी में पौधे लगाए जाएंगे, ताकि 2028 तक ये बड़े होकर आकर्षक ग्रीन कॉरिडोर का रूप ले सकें। बैठक में बताया गया कि वन विभाग पंचक्रोशी मार्ग पर तीन चरणों में पौधारोपण करेगा। इस बारिश के मौसम में करीब 15 हजार पौधे लगाने की तैयारी है। बड़े आकार के पौधे लगाए जाएंगे और उनकी सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड भी लगाए जाएंगे।सड़कों और घाटों को सजाने के लिए अमलतास, गुलमोहर, नीलमोहर और पलाश जैसे गर्मी में खिलने वाले फूलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं उद्यानिकी विभाग को शिप्रा किनारे निजी जमीनों पर किसानों को फलदार पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग को शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में बन रहे नए घाटों के किनारे डेढ़ मीटर दूरी पर पौधारोपण कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के अलावा वन विभाग, उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी विभाग और नमामि शिप्रे के अधिकारी मौजूद रहे।

सिंहस्थ हरियाली योजना एक नजर में

-274 किमी सड़क किनारे होगा पौधारोपण
-10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य
-अमलतास, गुलमोहर, पलाश जैसे फूलदार पौधों पर फोकस
-पंचक्रोशी मार्ग पर तीन चरणों में रोपण
-शिप्रा घाटों के किनारे भी विकसित होगा ग्रीन कॉरिडोर
-सभी विभागों को 7 दिन में प्लान तैयार करने के निर्देश

पुराने विवाद में चाकू से हमला कर युवक की हत्या

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार गुरुवार रात पुराने विवाद में युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है जिसमें दो नाबालिग होना सामने आए हैं। गुरुवार शाम मामले का खुलासा कर दिया गया आरोपियों को शुक्रवार दोपहर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि देर रात नलियाबाखल क्षेत्र में मोहित पिता प्रेम नारायण मंनसोरिया 18 वर्ष निवासी रवि शंकर नगर 12 खोली पर कुछ युवकों द्वारा चाकू से हमला कर दिया गया था। दो दोस्त हर्ष पवार और आदी गंभीर हालत में मोहित को चरक अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से उसे निजी अस्पताल ले जाया गया सीने और पेट पर लगे चाकू के गहरे घाव की वजह से मोहित की मौत हो चुकी थी। उसकी लाश चरक अस्पताल पोस्टमार्टम कक्ष लाई गई। जहां मृतक के दोस्तों के साथ परिजनों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर ही विलाप किया जाने लगा और आरोपियों को पकड़ने की बात को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। मामले की जानकारी लगते ही महाकाल, कोतवाली और माधव नगर थाना पुलिस पोस्टमार्टम कब से पहुंची। मृतक की बॉडी को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया वहीं अस्पताल लाने वालों से थाना प्रभारी गगन बादल द्वारा पूछताछ की गई। दोस्त हर्ष और आदी ने बताया कि जतिन नामक युवक का फोन मोहित के पास आया था उसके बाद नलियाबाखल पहुंचे थे, जहां एकलव्य ने अपने दो नाबालिक साथियों के साथ मिलकर चाकू से हमला किया था। दोनों दोस्तों ने बताया कि उन्होंने बीच बचाव का प्रयास किया लेकिन मोहित घायल हो चुका था। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने हत्या में शामिल एकलव्य और उसके दो नाबालिक साथियों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है शाम को मामले का खुलासा किया गया। हत्या की वजह पुराना विवाह होना सामने आया है। थाना प्रभारी के अनुसार हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है तीनों को शुक्रवार दोपहर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मोहित और प्रशांत के बीच था पुराना विवाद- बताया जा रहा है कि मोहित कभी फूल प्रसाद की दुकान पर काम करता था तभी होटल में सवारी लगाकर कमिशन का काम करता था। कुछ साल पहले मोहित नलियाबाखल में रहने गया था उसे दौरान प्रशांत से उसका विवाद हुआ था इसके बाद से रंजीश चली आ रही थी। रात में मोहित के दोस्त हर्ष का जन्मदिन होने पर दोनों आदी के साथ अंगारेश्वर मंदिर दर्शन करने गए थे जहां से लौटते समय जतिन ने कॉल कर नलिया बाखल बुलाया। जहां एक्टिवा से पहुंचे इस दौरान चार-पांच युवको ने चाकू से हमला कर दिया।

विवाद का सामने आया सीसीटीवी फुटेज- रात में हुई युवक की हत्या का घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी सामने आया है जिसमें विवाद होता दिखाई दे रहा है पहले थप्पड़ मुक्के से मारपीट हुई इसके बाद मोहित पर चाकू से हमला किया गया पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चाकू मारने वालों की पहचान कर उनकी धरपकड़ शुरू की है। पुलिस सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बस में बैठकर इंदौर से उज्जैन पहुंचे मुख्यमंत्री

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ सामूहिक यात्रा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार शाम इंदौर से उज्जैन तक बस से पहुंचे। इस दौरान उनके साथ जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के काफिले में सीमित वाहन शामिल रहे और सुरक्षा व्यवस्था के लिए केवल तीन अन्य वाहन साथ चले। मुख्यमंत्री ने इंदौर से उज्जैन तक का सफर एक ही बस में तय किया। यात्रा के दौरान उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से जल गंगा संवर्धन अभियान, विकास कार्यों और विभिन्न जनहित योजनाओं को लेकर चर्चा की। प्रशासनिक स्तर पर संसाधनों के उपयोग और खर्चों में संतुलन बनाए रखने को लेकर भी बातचीत हुई। सरकारी सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री द्वारा हाल के समय में प्रशासनिक खर्चों में संयम और संसाधनों के सीमित उपयोग पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में इस बार यात्रा के दौरान बड़े काफिले की बजाय सामूहिक परिवहन का उपयोग किया गया। उज्जैन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल हुए।

घर के सामने फेंका मांस, गांधीनगर में फैला आक्रोश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को मुस्लिम समुदाय ईद का पर्व मना रहा था इसी बीच सुबह 8 बजे के लगभग एक मकान की चौखट पर मांस फेंक दिया गया। मामला सामने आते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। क्षेत्रीय पार्षद के साथ हिंदूवादी संगठन मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। आगर रोड स्थित गांधीनगर में स्नेहलता अगोने का मकान बना हुआ है वह चैरिटेबल अस्पताल में कार्य करती है। सुबह 8 बजे के लगभग उन्होंने घर का दरवाजा खोला तो चौखट पर खून फैला और मांस का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। यह देख परिवार आक्रोशीत हो गया। खबर आज की तरह फैली और क्षेत्र के लोग भी गुस्से में एकत्रित हो गए। जानकारी लगते ही क्षेत्रीय पार्षद शिवेंद्र तिवारी गांधीनगर पहुंचे मामले की जानकारी लगते ही चिमनगंज पुलिस भी जांच के लिए पहुंच गई थी। इस दौरान हिंदूवादी संगठन भी गांधीनगर पहुंच गया। आरोप लगाया गया कि आज बकरा ईद है वर्ग विशेष के असामाजिक तत्वों द्वारा सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का प्रयास किया गया है। पुलिस ने मामला शांत कराया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देते हुए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखने शुरू किया।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग शुरू

मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष करेंगे मार्गदर्शन, आयोजन स्थल पर जुटे 200 से अधिक कार्यकर्ता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत उज्जैन नगर भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग गुरुवार से शुरू हो गया। स्थानीय राजाराम रिसॉर्ट में आयोजित इस आवासीय प्रशिक्षण वर्ग में शहर और जिले से करीब 200 से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रशिक्षण वर्ग में मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल कार्यकर्ताओं को संगठन, विचारधारा और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर मार्गदर्शन देंगे।

भाजपा नगर अध्यक्ष ने प्रशिक्षण स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। नगर भाजपा उपाध्यक्ष जगदीश पांचाल ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के सभी सत्र तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, प्रकोष्ठ संयोजक, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित प्रदेश और राष्ट्रीय समिति के सदस्य भाग ले रहे हैं। विभिन्न सत्रों में पार्टी के वरिष्ठ और प्रशिक्षित पदाधिकारी संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा, बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क को लेकर प्रशिक्षण दे रहे हैं।

यह प्रशिक्षण वर्ग पूर्णतः आवासीय रखा गया है और सभी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है।

संगठन विस्तार और चुनावी रणनीति पर विशेष फोकस - दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा की रीति-नीति, संगठन विस्तार, सोशल मीडिया की भूमिका, बूथ मैनेजमेंट और आगामी चुनावी रणनीति जैसे विषयों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय और संगठित बनाने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

140 में 112 अस्पताल-क्लीनिक अवैध, 18 सील किये

बच्ची की मौत के बाद प्रशासन सख्त, 15 दिन की जांच में खुली स्वास्थ्य विभाग की पोल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में लोगों की सेहत से खिलवाड़ का बड़ा मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिले में चल रहे 140 अस्पताल और क्लीनिकों में से 112 अवैध पाए गए। यानी 80 प्रतिशत से ज्यादा संस्थान बिना वैध अनुमति और तय मापदंडों के संचालित हो रहे थे। प्रशासन ने अब तक 18 संस्थानों को सील कर दिया है, जबकि बाकी संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

दरअसल, एक बच्ची की मौत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर 10 मई से जिलेभर में विशेष जांच अभियान शुरू किया गया था। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की पांच टीमें बनाई गई थीं। टीमों ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अस्पताल, क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब की जांच की।सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि जांच के दौरान कई संस्थान बिना रजिस्ट्रेशन, आवश्यक अनुमति और निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित होते मिले। यह मध्यप्रदेश उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम 1973 का सीधा उल्लंघन है। ऐसे सभी संचालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कार्रवाई के बाद मचा हड़कंप, रजिस्ट्रेशन कराने उमड़े- प्रशासन की सख्ती के बाद अवैध रूप से क्लीनिक चला रहे डॉक्टरों और संचालकों में हड़कंप मच गया है। पिछले 10 दिनों में विभाग को 57 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें होम्योपैथिक के 25, आयुर्वेदिक के 16, एलोपैथी के 11, डेंटल के 3 और पैथोलॉजी लैब के 2 आवेदन शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अब बिना नियमों के कोई भी अस्पताल या क्लीनिक संचालित नहीं होने दिया जाएगा। विभाग लगातार जांच अभियान जारी रखेगा।

सोशल मीडिया पर फर्जी दावों पर भी रहेगी नजर- स्वास्थ्य विभाग ने सोशल मीडिया पर इलाज और चमत्कारी उपचार के नाम पर किए जा रहे भ्रामक प्रचार को लेकर भी चेतावनी दी है।

सीएमएचओ डॉ. पटेल ने कहा कि यदि कोई संस्थान सोशल मीडिया के जरिए लोगों को गुमराह करता पाया गया तो उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले में अवैध स्वास्थ्य संस्थानों पर बड़ी चोट मानी जा रही है। वहीं लोगों ने भी मांग की है कि ऐसे संस्थानों की नियमित जांच हो ताकि मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ न हो।

गुलाबखेड़ी में बना अमृत सरोवर क्षेत्र के ग्रामीणों और किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़नगर विकास खंड की नरेला कला ग्राम पंचायत के गुलाबखेड़ी गांव में माता मंदिर के पास निर्मित अमृत सरोवर जल संरक्षण संरचना एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह परियोजना जल संकट से जूझ रहे क्षेत्र के लिए बहुत लाभदायक साबित होगी।

गांव गुलाबखेड़ी में यह अमृत सरोवर निर्माण कार्य मनरेगा योजना के अंतर्गत प्रारंभ किया गया था। स्वीकृत राशि 24.99 लाख रुपये थी, जिसमें से 24.39 लाख रुपये व्यय किए गए। इस अमृत सरोवर के निर्माण से क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे। वर्षा जल का प्रभावी संचयन सुनिश्चित होगा। बहते हुए पानी को रोककर भू-जल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगा। आसपास के कुओं एवं जल स्त्रोतों के जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा सकेगा। किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। खेतों में नमी बरकरार रखने में मदद मिलेगी।

वन तारा प्रोजेक्ट- 210 हेक्टेयर जंगल में बसेंगे वन्य प्राणी

गुजरात मॉडल पर उज्जैन में विकसित होगा वन पर्यटन केंद्र, केंद्र सरकार को भेजा गया मास्टर प्लान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन अब वन पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में भी पहचान बनाने की तैयारी में है। गुजरात की तर्ज पर शहर में प्रस्तावित वन तारा प्रोजेक्ट का काम अगले महीने से शुरू हो सकता है। वन विभाग की करीब 210 हेक्टेयर जमीन पर बनने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर तैयार हो चुकी है और मास्टर प्लान केंद्र सरकार को भेज दिया गया है। अनुमति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने हाल ही में वन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर साफ निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 से पहले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को धरातल पर लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उज्जैन के पर्यटन विकास में बड़ा बदलाव ला सकती है, इसलिए सभी विभाग समयसीमा तय कर तेजी से काम करें।

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले वर्ष गुजरात के वन तारा प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था। इसके बाद मध्यप्रदेश में भी इसी तर्ज पर प्रोजेक्ट विकसित करने की पहल शुरू हुई। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रशासन और वन विभाग ने तेजी से काम करते हुए इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की। प्रोजेक्ट के तहत बड़े क्षेत्र में प्राकृतिक वातावरण विकसित किया जाएगा, जहां विभिन्न वन्य प्राणियों को रखा जाएगा। उनके संरक्षण, देखरेख और प्राकृतिक आवास जैसी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में महाकाल दर्शन के साथ उज्जैन में वन पर्यटन को भी नई पहचान देगा। डीएफओ अनुराग तिवारी ने बताया कि केंद्र सरकार से अनुमति मिलते ही अगले महीने से काम शुरू करने की तैयारी है। विभाग का प्रयास है कि सिंहस्थ से पहले प्रोजेक्ट का प्रारंभिक स्वरूप तैयार कर लिया जाए ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इसका लाभ उठा सकें।

ग्लोबल स्टैंडर्ड पर तैयार हो रहे विक्रमादित्य के इंजीनियर्स- कुलगुरु प्रो. भारद्वाज की अनूठी पहल से छात्र सीख रहे इंडस्ट्री की बारीकियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और व्यावहारिक दक्षता को नया आयाम देते हुए सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों ने देवास स्थित प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाई फ्लूइडोमेट लिमिटेड का शैक्षणिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस उच्चस्तरीय दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कक्षा में सीखी गई जटिल इंजीनियरिंग अवधारणाओं को वास्तविक और आधुनिक औद्योगिक परिवेश में क्रियान्वित होते हुए दिखाना था, ताकि वे भविष्य की वैश्विक चुनौतियों के लिए पूरी तरह सक्षम बन सकें।

इस ज्ञानवर्धक भ्रमण के दौरान छात्रों ने फ्लूइडोमेट लिमिटेड की अत्याधुनिक उत्पादन इकाइयों ,गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं और रोबोटिक व मशीनीकृत संचालन को बारीकी से समझा। वहां मौजूद देश के अनुभवी और वरिष्ठ इंजीनियरों ने छात्रों को हाइड्रोलिक कपलिंग और ट्रांसमिशन तकनीक की बारीकियों व उनके लाइव ऑपरेशन्स से रूबरू कराया, जो छात्रों के लिए एक व्यावहारिक अनुभव रहा। विश्वविद्यालय के छात्रों को वैश्विक कार्य-दक्षता और कौशल से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण दौरे पर मार्गदर्शन देते हुए कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि आज के दौर में सैद्धांतिक ज्ञान अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन वास्तविक व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्री का एक्सपोजर ही छात्रों को एक सफल व वैश्विक स्तर का इंजीनियर बनाता है।

बकरीद पर मांगी अमन-चैन की दुआएं,नमाज अदा की

शहर की मस्जिदों में उमड़े नमाजी, एक-दूसरे को गले लगाकर दी बधाई

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुस्लिम समाज का प्रमुख पर्व बकरीद गुरुवार को शहर में धार्मिक उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही शहर की मस्जिदों और इंदिरा नगर स्थित ईदगाह में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

शहर काजी खलीकुर्रहमान की मौजूदगी में ईदगाह पर सुबह 7ः30 बजे मुख्य नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाजजन शामिल हुए। नमाज के बाद देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी गई।

शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी तय समय पर ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। शाही मस्जिद और लाल मस्जिद में सुबह 7ः45 बजे, फतेह मस्जिद में 7ः40 बजे तथा जामा मस्जिद, मस्जिद सारवान और मस्जिद कोट मोहल्ला में सुबह 8 बजे नमाज हुई। इसके अलावा मिर्जावाड़ी मस्जिद, मक्का मस्जिद रिंग रोड, मस्जिद नेहरू इस्माईल आगार रोड, मस्जिद उमर दमदमा, मस्जिद आदर्श नगर और विक्रम नगर सहित अन्य मस्जिदों में भी सुबह 7ः45 से 8ः15 बजे के बीच नमाज अदा की गई। नमाज के बाद समाजजनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी।

ईदगाह और मस्जिदों के बाहर सुबह से ही रौनक बनी रही। कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग भी ईदगाह पहुंचे और मुस्लिम समाजजनों को शुभकामनाएं दीं।

त्योहार को लेकर नगर निगम द्वारा ईदगाह परिसर में पीने के पानी, साफ-सफाई और टेंट की व्यवस्था की गई थी। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए तोपखाना, छत्री चौक और प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था। नमाज के बाद घरों में कुर्बानी का दौर शुरू हो गया। मुस्लिम बहुल इलाकों में बुधवार शाम से ही बाजारों और गलियों में चहल-पहल बढ़ गई थी। पूरे दिन समाजजन पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाते रहे।

उज्जैन के गांधी नगर में हिंदू परिवार के घर के बाहर फेंका मांस का टुकड़ा

बकरीद पर माहौल बिगड़ने की कोशिश, सुबह सफाई के बाद बाहर आई महिला तो गेट के पास पड़ा था मांस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बकरीद के दिन शहर के आगर रोड स्थित गांधी नगर इलाके में उस समय माहौल गर्मा गया, जब एक हिंदू परिवार के घर के बाहर मांस का टुकड़ा मिलने की घटना सामने आई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और रहवासियों ने इसे माहौल खराब करने की साजिश बताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक गांधी नगर निवासी स्नेहलता गुप्ता गुरुवार सुबह रोजाना की तरह घर के बाहर सफाई कर अंदर चली गई थीं। कुछ देर बाद जब वे वापस बाहर आईं तो घर के मुख्य गेट के पास मांस का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। यह देखकर वे घबरा गईं और तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और क्षेत्र में चर्चा फैल गई। रहवासियों का कहना है कि बकरीद के मौके पर कुछ शरारती तत्वों ने जानबूझकर इस तरह की हरकत कर क्षेत्र का माहौल खराब करने की कोशिश की है। लोगों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए आरोपियों की जल्द पहचान कर कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही चिमनगंज मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और फुटेज के आधार पर जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रहवासियों से चर्चा कर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने एहतियात के तौर पर इलाके में निगरानी बढ़ा दी है ताकि किसी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति न बने। फिलहाल पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग पुलिस कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

ग्रामीण को चार पहिया वाहन ने कुचला, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक से घर लौट रहे ग्रामीण को अज्ञात चार पहिया वाहन ने कुचल दिया। घायल ग्रामीण को अस्पताल ले जाया गया जहां कुछ देर चले उपचार के बाद मौत हो गई। पुलिस ने मामला जांच में लिया है वाहन की तलाश की जा रही है। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम गामड़ी में रहने वाला अजय पिता मोहन चौधरी बाइक से अपने खेत पर गया था जो घर से 2 किलोमीटर दूर है, काम पूरा होने के बाद देर शाम वापस घर लौट रहा था इस दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी अजय गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला था। अजय को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। नरवर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू की है। ग्राम गामड़ी में हुई दुर्घटना से पहले नरवर थाना क्षेत्र के ही ग्राम कडछा में ड्रायवरी करने ज्ञानसिंह पिता अम्बाराम उर्फ श्यामलाल यादव 35 साल को रिवर्स डंपर ने कुचल दिया था जिसकी मौके पर मौत हो गई थी। बताया जा रहा था कि ज्ञान सिंह बदली में ड्राइवरी करने पहुंचा था और मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था वर्तमान में वह रिश्तेदार के यहां निवास कर रहा था ज्ञानसिंह की शादी नहीं हुई थी। मृतक ड्रायवर के 7-8 भाई-बहन है, जो उत्तरप्रदेश में रहते है। रिश्तेदारों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराकर शव सौंपा गया है।

हिरासत में चाकू से कातिलाना हमला करने वाले आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को राजीव रत्न कालोनी में घूरकर देखने की बात पर मोनू चौहान से विवाद करने वाले युवकों ने बीच-बचाव करने आये मोनू के भाई प्रेम पिता तिलक कुरवाडिया पर चाकू से कातिलाना हमला कर दिया था। प्रेम को 8 चाकू मारे गये थे, जिसके चलते वह गंभीर घायल हो गया था। नीलगंगा थाना पुलिस ने मामले में जानलेवा हमला करने की धारा का प्रकरण दर्ज किया था। एसआई वेदप्रकाश साहू ने बताया कि बुधवार को हमले में शामिल अरोपी यश पिता संजीव शिंदे निवासी इंदौर, कौशल उर्फ गोलू पिता रवि हटकर निवासी राजीव रत्न कालोनी और 2 अन्य को गिरफ्तार कर लिया। दो अन्य आरोपितों को परिजन नाबालिग बता रहे थे, लेकिन कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाये। जिसके चलते चारों को दोपहर में कोर्ट पेश कर जेल भेजा गया है। घायल पक्ष की ओर से भी आरोपी पक्ष के साथ मारपीट की गई थी। जिसके चलते दूसरे पक्ष से भी कुछ युवकों को चोंट लगी थी। उक्त घायलों की ओर से भी मामले में मारपीट का प्रकरण दर्ज किया गया है।

किसानों को अब एमपी कृषि पोर्टल के जरिए ऑनलाइन ई-टोकन की सुविधा मिल रही है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों की सुविधा के लिए ई-टोकन सिस्टम शुरू किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि खाद के लिए कोई भी किसान परेशान नहीं हो। इस सुविधा से किसान घर बैठे एमपी कृषि पोर्टल के जरिए ऑनलाइन ई-टोकन जनरेट कर सकेंगे। किसान के मोबाइल पर ई-टोकन जारी होगा। पंजीयन की सुविधा 24 घंटे रहेगी। ई-टोकन दिखाकर किसान दो दिन के अंदर संबंधित समिति, एमपी एग्रो, डीएमओ केंद्र और प्राइवेट केंद्र पर जाकर फसल के लिए आवश्यकता अनुसार खाद ले सकेंगे।

गुरूवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कृषि उपज मंडी स्थित किसान सेवा केंद्र पहुंचकर किसानों से चर्चा कर ई-टोकन से खाद प्राप्त करने की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने मौके पर उपस्थित किसान का कम्प्यूटर पर ई-टोकन प्रक्रिया दर्ज कराते हुए पूरी प्रक्रिया को समझा। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि ई-टोकन प्रणाली के संबंध में किसानों को प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जाए। जिससे किसान स्?वयं घर बैठे ई-टोकन जनरेट कर सकें। खाद के लिए कोई भी किसान परेशान नही होना चाहिए, किसानों से संपर्क कर प्रक्रिया की जानकारी देकर प्रोत्साहित करें। संभागायुक्त श्री सिंह ने प्रतिदिन किसानों द्वारा किए जाने वाले पंजीयन की जानकारी ली।

किसानों की सुविधा के लिए ई-टोकन सिस्टम शुरू किया है। इसमें किसान घर बैठे एमपी कृषि पोर्टल के जरिए ऑनलाइन ई-टोकन जनरेट कर सकेंगे।